राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

हाथों से टैनिंग हटाने के लिए अपनाए...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 01 अप्रैल 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 100 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों से बोले अनुराग ठाकुर

दुनिया का सबसे खतरनाक वायरस है फेक न्यूज

नई दिल्ली। श्फेक न्यूजश पर लगाम लगाने के लिए श्फैक्ट चौकश को महत्वपूर्ण बताते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि दुनिया का सबसे खतरनाक वायरस फर्जी सूचनाएं हैं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति तक सही जानकारियां पहुंचाना महत्वपूर्ण है। श्री अनुराग ठाकुर शुक्रवार को भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) में भारतीय सूचना सेवा ग्रुप श्ए श के प्रशिक्षु अधिकारियों के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक श्री राजेश मल्होत्रा, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री संजीव शंकर, आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी एवं अपर महानिदेशक श्री आशीष गोयल सहित वर्ष 2018, 2019 एवं 2020 बैच के भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) के 52 प्रशिक्षु अधिकारी भी उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त करते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि बेहतर कम्युनिकेशन, सरकार और लोगों के बीच दूरी घटाने में एक महत्व्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे लोगों में सरकार के प्रति विश्ध्वास जागता है और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी बढ़ती है। उन्होंने कहा कि फेक न्यूज के युग में लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों की जिम्मेदारी है। सही सूचना के प्रयोग से आम आदमी किसी भी विषय पर सही निर्णय ले सकता है। इसलिए मीडिया और सोशल मीडिया के बदलते समय में सरकारी सूचना तंत्र के अधिकारियों को यह तय करना है जनता तक सही जानकारी पहुंचे। श्री अनुराग ठाकुर के अनुसार ब्रेकिंग न्यूज के इस दौर में एक शब्द अत्यंत प्रचलित हुआ है और उसके अनेक परिणाम और दुष्परिणाम भी देखने को मिले हैं। ये शब्द है 'इन्फोडेमिकश। आम बोलचाल की भाषा में इसे श्सूचनाओं का विस्फोटश कहा जा सकता है। ऐसे समय में आईआईएस अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ सूचनाओं को ही जनता तक न पहुंचाएं, बल्कि उनमें वैल्यू एडिशन भी करें, ताकि मीडिया उन सूचनाओं को प्राथमिकता से प्रसारित करे। प्रभावशाली कम्युनिकेशन के महत्व को रेखांकित करते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि सूचना एक शक्ति की तरह है, जिसका इस्ध्तेमाल भारत के हित में, लोकतंत्र को मजबूती देने और लोगों के सशक्ध्तीकरण में करने का प्रयास करना चाहिए।

इंदौर मंदिर हादसाः मरने वालों की संख्या 35 हुई, पीड़ितों से सीएम ने की मुलाकात, मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने कैबिनेट मंत्रियों के साथ इंदौर में घटना स्थल का दौरा किया। रामनवमी के दिन बावड़ी गिरने के कारण अब तक 35 लोगों की जान चली गई है। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कहा कि प्राथमिकी दर्ज, घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मौजूदा प्राथमिकता रेस्क्यू ऑपरेशन है। उन्होंने कहा कि घायलों का निरूशुल्क इलाज किया जाएगा। पीएम ने पीड़ितों को अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की है। हमने राज्य भर में ऐसे बावड़ियों और बोरवेलों के निरीक्षण के आदेश दिए हैं।

इन सब के बीच इंदौर पुलिस कमिश्नर ने बताया कि मंदिर प्रशासन के अध्यक्ष व सचिव के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 के तहत मामला दर्ज गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर के एक अस्पताल में घायल पीड़ितों से मुलाकात भी की है। इससे पहले शिवराज ने कहा था कि आज इंदौर में अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है। घटना के बाद से ही मैं लगातार प्रशासन के संपर्क में था और रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी कर रहा था। लोगों को बचाने के इस अभियान में पूरा प्रशासन जुटा हुआ था पर तमाम प्रयासों के बाद भी हम कई जिंदगियों को बचा नहीं पाए।

चौहान ने कहा था कि बावड़ी पर अधिक बोझ होने के कारण वह धंस गई। मैंने घटना की जॉच के निर्देश दिए हैं। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जिन्हें हम बचा नहीं पाए उन सब परिवारों के साथ सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। मृतकों के परिजनों को घ्5–5 लाख व घायलों को घ्50–50 हजार की सहायता राशि प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे राज्यभर में जांच कर पता लगाएं कि किन कुओं और बावड़ियों को असुरक्षित तरीके से ढंककर उन पर निर्माण किया गया है और कौन–से नलकूप खुले रखे गए हैं?

अमित शाह ने माणसा में कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को डिजिटल माध्यम से गुजरात में अपनी गांधीनगर लोकसभा सीट के हिस्से माणसा शहर में कुछ परियोजनाओं का उद्घाटन किया और अन्य की आधारशिला रखी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया है कि कुल मिलाकर 56 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं में चंद्रसर झील का नवीनीकरण, अन्य जलाशयों को जोड़ना और उन्हें नर्मदा के पानी से भरना तथा भूमिगत सीवरेज नेटवर्क शामिल हैं। इस अवसर पर शाह ने निजी दानदाताओं की मदद से माणसा में एक मौजूदा सरकारी अस्पताल के उन्नयन के साथ–साथ भविष्य में इस सुविधा से जुड़ा एक मेडिकल कॉलेज शुरू करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, ''पिछले पांच वर्षों के दौरान, भारतीय जनता पार्टी सरकार ने माणसा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 1,182 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए हैं। इसमें माणसा–कलोल राजमार्ग का निर्माण भी शामिल है, जिसने गांधीनगर जिले के इन दो शहरों के बीच यात्रा के समय को काफी कम कर दिया है।'' शाह ने चंद्रसर झील के जीर्णोद्धार कार्य और आसपास की अन्य झीलों को नर्मदा के पानी से भरने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उनकी सरकार की प्रशंसा की।

गृह मंत्री का अस्तित्व दिखता ही नहीं, महाराष्ट्र में भड़की हिंसा पर संजय राउत बोले– दंगे कराने के लिए काम कर रही शिंदे–फडणवीस सरकार

मुंबई। देश के कई हिस्सों में रामनवमी के जुलूस के दौरान समूहों के बीच हिंसा भड़क गई, जिससे उत्सव और समारोह में बाधा उत्पन्न हुई। बिहार के मुंगेर में रामनवमी के जुलूस के दौरान भड़की हिंसा के बाद 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि जब जुलूस हजरतगंज मोहल्ला इलाके में दाखिल हुआ तो कुछ आपत्तिजनक शब्द बोले गए। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में बुधवार को एक राम मंदिर को लेकर विवाद खड़ा हो गया था और गुरुवार को हिंसक झड़प के दौरान पुलिस टीम पर हमला किया गया था और उनके कई वाहनों में आग लगा दी गई थी। सात लोगों को हिरासत में लिया गया है और 500 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में एक राम मंदिर के पास झड़प के बाद पुलिस कर्मियों पर भीड़ के हमले में घायल होने के कुछ घंटों बाद, एक 51 वर्षीय व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर रामनवमी हिंसा में एक की मौतः महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में राम मंदिर के पास झड़प के बाद पुलिस कर्मियों पर भीड़ के हमले में घायल होने के कुछ घंटों बाद, एक 51 वर्षीय व्यक्ति की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान शेख मुनीरुद्दीन के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हिंसा के कुछ घंटे बाद बृहस्पतिवार की रात शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान पीड़ित की मौत हो गई।

महाराष्ट्र सरकार प्रायोजित दंगे देख रहा हैः संजय राउत

राज्यसभा सांसद और उद्धव सेना के नेता संजय राउत ने रामनवमी के जुलूस के दौरान भड़की हिंसा के लिए महाराष्ट्र में सरकार, पुलिस और प्रशासन की अनुपस्थिति को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि ये सरकार प्रायोजित दंगे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की समस्या है क्योंकि यहां सरकार, पुलिस, गृह मंत्री का अस्तित्व नहीं है। कहां हैं सीएम व गृहमंत्री? संभाजीनगर में बेवजह दंगा इसलिए हुआ क्योंकि 2 अप्रैल को वहां महाविकास अघाड़ी की एक रैली है। यह सरकार प्रायोजित दंगा है।

केजरीवाल ने मुफ्त योग कक्षाएं निलंबित होने के लिए प्रधानमंत्री, उपराज्यपाल को जिम्मेदार ठहराया

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 'दिल्ली की योगशाला' कार्यक्रम के तहत मुफ्त योग कक्षाएं निलंबित होने के लिए शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उपराज्यपाल वी के सक्सेना को जिम्मेदार ठहराया और पूछा कि इस कदम से किसे फायदा हुआ। केजरीवाल की यह टिप्पणी पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार द्वारा राज्य में मुफ्त योग कक्षाएं शुरू किए जाने के बाद आई है। पिछले साल दिल्ली की 'आप' सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अधिकारियों पर दबाव बनाकर 'दिल्ली की योगशाला' कार्यक्रम को बंद कराने की 'साजिश' रचने का आरोप लगाया था। उस समय, दिल्ली सरकार ने आरोप लगाया था कि सक्सेना ने 31 अक्टूबर के बाद कार्यक्रम के विस्तार को मंजूरी नहीं दी थी। केजरीवाल ने ट्वीट किया, ''जब प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) ने उपराज्यपाल से कहकर दिल्ली में मुफ्त योग कक्षाएं बंद करवा दीं, तब हमने पंजाब में मुफ्त योग कक्षाएं शुरू कर दीं।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली में दिल्ली सरकार की मुफ्त कक्षाओं में रोजाना 17,000 लोग योग करते थे।

कपिल सिब्बल ने दिग्विजय से जताई असहमति

बोले– लोकतंत्र पर विदेशी समर्थन की जरूरत नहीं

नई दिल्ली। राहुल गांधी को लेकर वार–पलटवार का दौर जारी है। इसी कड़ी में कांग्रेस के पूर्व नेता, राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल एक साथ आ रहे हैं क्योंकि वे देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक भी विपक्षी दल ऐसा नहीं है जो ईडी, सीबीआई के राडार पर न हो। सिब्बल ने कहा कि इन एजेंसियों का इस्तेमाल गैर–बीजेपी राज्य सरकारों को गिराने के लिए किया जा रहा है। पहले बीजेपी का लक्ष्य कांग्रेस मुक्त भारत था, लेकिन अब यह विपक्ष मुक्त राष्ट्र है। इसके साथ ही सिब्बल ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान से असहमति भी जताई। राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराने का संज्ञान लेने के लिए कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा जर्मनी का आभार जताया गया था। लेकिन कपिल सिब्बल ने इससे अपनी अलग राय रखी है। सिब्बल ने शुक्रवार को कहा कि हमें विदेश से समर्थन की जरूरत नहीं है, क्योंकि हमारी लड़ाई हमारी अपनी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं है। सिब्बल ने ट्वीट कर कहा, ''दिग्विजय सिंह रू 'भारत में लोकतंत्र से किस तरह खिलवाड़ किया जा रहा है, इसका संज्ञान लेने के लिए बर्लिन का शुक्रिया।' मेरी राय रू हमें आगे चलने के लिए बैसाखियों की जरूरत नहीं है। हमें विदेश से समर्थन की जरूरत नहीं है। हमारी लड़ाई हमारी अपनी है और उसमें हम एक साथ हैं।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा जर्मनी को धन्यवाद दिए जाने के बाद विपक्षी पार्टी पर 'भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के लिए विदेशी ताकतों को आमंत्रित करने' का आरोप लगाया था। इसके साथ ही राज्यसभा सांसद ने कहा कि मोदी हर जगह पिछड़ा (जाति) नहीं है, मोदी कोई संस्था नहीं है तो ये किस आधार पर कह रहे हैं कि राहुल गांधी ने ओबीसी लोगों का अपमान किया? तो वह माफी क्यों मांगे? उन्होंने कहा कि उन्हें (बीजेपी को) माफी मांगनी चाहिए क्योंकि वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, वे लोकतंत्र को खतरे में डालने की साजिश कर रहे हैं।

15 मार्च से लापता महिला का शव मिला, पति समेत ससुराल पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के कोडली गांव में 15 मार्च से लापता एक महिला की कथित तौर पर हत्या कर उसका शव जमीन में दफनाए जाने का मामला सामने आया है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने शुक्रवार को एक सूचना के आधार पर महिला का शव बरामद किया। नॉलेज पार्क थाना के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि मृतक महिला की शिनाख्त सरिता के रूप में की गई है, जो 15 मार्च को अपने घर से लापता हो गई थी। सिंह के मुताबिक, सरिता के भाई ने अपनी बहन के पति समेत ससुराल पक्ष के सात लोगों के खिलाफ अपहरण की धारा में मुकदमा दर्ज करवाया था। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह पता चल सकेगी।

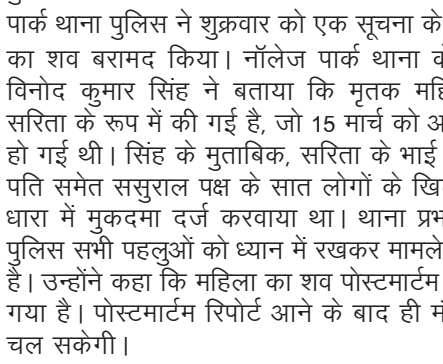

दल्ली महिला आयोग ने ट्रांसजेंडर की स्थिति में सुधार लाने पर दिशा निर्देश जारी किए

नयी दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने राष्ट्रीय राजधानी में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों की हालत में सुधार लाने के लिए केंद्र तथा दिल्ली सरकार को शुक्रवार को दिशा निर्देश जारी किए। डीसीडब्ल्यू ने एक बयान में कहा कि भारत सरकार ने 2019 में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) कानून और 2020 में केंद्रीय नियम पारित किए थे। हालांकि, दिल्ली के लिए राज्य नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। आयोग द्वारा भेजे नोटिस के जवाब में दिल्ली सरकार ने कहा कि शहर के लिए नियमों के स्वीकृत मसौदे को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय से अभी अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। उसने आयोग को यह भी बताया कि 'ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड' के गठन को स्वीकृति दे दी गयी है और गृह मंत्रालय से इसकी अधिसूचना जारी होने का इंतजार है। मंत्रालय को अपनी सिफारिशों में आयोग ने नियमों तथा ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड की अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया ताकि दिल्ली में ट्रांसजेंडर लोगों का कल्याण और सशक्तीकरण सुनिश्चित किया जाए। आयोग ने कहा कि तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश तथा बिहार समेत 12 राज्यों ने ट्रांसजेंडर वेलफेयर बोर्ड का गठन कर लिया है तथा दिल्ली को इसमें पीछे नहीं रहना चाहिए। महिला आयोग ने शहर की सरकार को ट्रांसजेंडर लोगों के लिए योजनाएं फौरन शुरू करने तथा जरूरतमंद लोगों के लिए आश्रय गृह बनाने की भी सिफारिश की है। आयोग ने कहा कि उसने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) कानून के क्रियान्वयन में कई कमियों की भी पहचान की है। इनमें ट्रांसजेंडर लोगों को वे 'पहचान प्रमाणपत्र'' जारी करने में मौजूद खामियां शामिल हैं, जिसका इस्तेमाल सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में किया जा सकता है।

भौतिक सत्यापन कराने की डीएम से मांग बिचौलियों से साठ गांठ कर पहुंचाया जा रहा लाभ

विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग दल) के जिला प्रमुख मठ ने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर जांच व कार्यवाही के लिए की मांग

बृज भूषण तिवारी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए प्रदेश सरकार लगातार कृषि क्षेत्रों को बढ़ावा देने में कार्य कर रही है लेकिन संबंधित अधिकारियों व कर्मचारीयों के द्वारा सरकार के दिशानिर्देशों पर कार्य न करके बिचौलियों से साठ गांठ कर लाभ पहुंचाया जा रहा लेकिन लाभार्थियो को लाभ नहीं प्राप्त हो रहा है। जिसको लेकर विश्व हिन्दू परिषद (बजरंग दल) के जिला प्रमुख मठ ने उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर जांच व कार्यवाही के लिए मांग किया। प्रकरण राजकीय कृषि बीज गोदाम रुपईडीह से जुड़ा हुआ है जहां पर प्रदेश सरकार के द्वारा किसानों को 50: अनुदान के तौर पर बीजों को उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे किसान 50: पर बीज पाकर अच्छी

फसलें पैदा कर दोगुनी लाभ प्राप्त कर सकें लेकिन किसानों को बीज के अनुदान न देकर बिचौलियों को लाभ दिया जा रहा है तथा प्रदर्शन हेतु दिए गए बीजों के किट किसानों को न देकर बिचौलियों को लाभ पहुंचाया जा रहा जिसका भौतिक सत्यापन उच्च अधिकारियों के द्वारा कराए जाएं तो सारे राज खुल कर सामने आ जाएंगे। विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल जिला प्रमुख मठ देव नारायण तिवारी ने आरोप लगाया कि मटर, चना का लाभ अपने चहेते लोगों को देकर 50: का अनुदान का लाभ बीज केंद्र की गणेश परिक्रमा करना पड़ रहा है। राजकीय कृषि बीज गोदाम रूपईडीह से दिए गए प्रदर्शन किट मटर व चना का विभाग के द्वारा कागजों में ही प्रदर्शन कर खानापूर्ति कर लिया गया जबकि क्षेत्र के पुरैनिया, बराहेमा, कौड़ियां, रूपईडीह, बदौरा, मंगलनगर फरेंदा शुक्ल सहित कई ग्राम पंचायतों में मटर व चना की किट का खेती नही हुआ फिर भी अधिकारियों के द्वारा कागजों में प्रदर्शन कर अपने चहेतों को मटर व चना के बीजों का लाभ उपलब्ध करा दिया गया। मटर, चना सहित अन्य बीजों का भौतिक सत्यापन कराने के लिए जिला अधिकारी से मांग किया गया है जांच होने पर सारे राज खुल के सामने आएंगे।

राजकीय बीज गोदाम रूपईडीह को मिला था अनुदान बीज

एक नजर
गेहूं – 266 कुंतल 60 किलो
मटर – 25 कुंतल 20 किलो
चना – 5 कुंतल 00 किलो
मसूर – 2 कुंतल 00 किलो पीली सरसों
– 1कुंतल 00 किलो
राई – 80 किलो
ऊर्द – 50पैकेट निशुल्क वितरण हेतु
1कुंतल अनुदान पर

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय का फूल मालाओं के साथ किया स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष

सहजानंद राय का बस्ती जिले में प्रथम आगमन पर रूधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल के संयोजन में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं के साथ पालिटेक्निक चौराहे पर स्वागत किया गया। वे सड़क मार्ग सें गोरखपुर जा रहे थे। क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय ने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे केन्द्र और राज्य सरकार के कल्याणकारी नीति, कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने पर जोर दें। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी, संगीता जायसवाल, जयेश जायसवाल, अजय सिंह गौतम, पूर्व विधायक प्रतिनिधि मनोज सिंह, अशोक गुप्ता, अखिलेश चौधरी विक्की, अनिल पाण्डेय, विकास वर्मा, रणजीत यादव, सुरेन्द्र त्रिपाठी, बेचन प्रसाद के साथ ही सैकड़ों की संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे। यह जानकारी पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल के मीडिया प्रभारी अमर सोनी ने दी है।

रोजगार सेवकों का तीसरे दिन भी धरना अनवरत जारी खंड विकास अधिकारी को दिया ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटियाथोक,गोंडा। मानदेय को लेकर ग्राम रोजगार सेवकों ने

ब्लॉक मुख्यालय पर कार्य बहिष्कार के साथ–साथ धरना प्रदर्शन लगातार तीसरे दिन अनवरत जारी है। रोजगार सेवकों ने खंड विकास अधिकारी इंद्रावती वर्मा को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र ही मानदेय दिलाने की मांग की इस बारे में जानकारी देते हुए रोजगार सेवक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष अजय तिवारी ने बताया स्थानीय ब्लॉक प्रशासन की लापरवाही से उन्हें 3 माह का वेतन नहीं मिल पाया है जिससे उनके बच्चे भुखमरी के कगार पर है इस संबंध में उन्होंने खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर मानदेय दिलाने की मांग की है उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक मानदेय मिल नही जाएगा जब तक धरना अनवरत जारी रहेगा। वही इस बारे में खंड विकास अधिकारी इंद्रावती वर्मा ने बताया शीघ्र ही समस्या का समाधान कराया जाएगा। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष अजय कुमार तिवारी, समीम रामनरेश, नील मणि तिवारी, सिरताज अहमद, प्रभाकर मिश्र, आनंद शुक्ला, सत्य प्रकाश मौर्य ध्रुव नारायण शुक्ला, विजय मिश्र सहित कई अन्य रोजगार सेवक मौजूद रहे।

सहकारी संघ लि. रामापुर में शेष नरायन मिश्र सभापति व अमर शुक्ला उपसभापति निर्वाचित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा। सहकारी संघ रामापुर के सभापति व उप सभापति के चुनाव कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सम्पन्न हुआ। चुनाव में शेष नरायन मिश्र सभापति व अमर शुक्ला उपसभापति निर्विरोध निर्वाचित हुए। स्थानीय विकास खण्ड कटरा बाजार के सहकारी संघ (ब्लॉक यूनियन) की प्रबन्ध समितियों को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का चुनाव शुक्रवार को सहकारी संघ रामापुर का कड़ी सुरक्षा के बीच सचिव अवधेश शुक्ला के उपस्थिति में चुनाव शांति पूर्वक सम्पन्न हुआ। निर्वाचन अधिकारी प्रभारी बीडीओ कटरा बाजार विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विकास खंड में कुल 10 डेली गेट निर्विरोध चुने गये थे। एक डेलीगेट शासन द्वारा नामित किया था। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभापति व उपसभापति के पद के लिए एक–एक ही नामांकन हुआ जिसमें नामांकन पत्रों के जांच के बाद नामांकन पत्र सही पाया गया। आरओ ने बताया कि विकास खंड के लाल पुर गांव के निवासी शेष नरायन मिश्र को सभापति व बाबू पुर गांव निवासी अमर प्रसाद शुक्ला को उपसभापति निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। नव निर्वाचित सभापति व उपसभापति को प्रमुख प्रतिनिधि भवानी भीख शुक्ल, प्रधान राजेश तिवारी, प्रधान प्रतिनिधि सत्यजीत पांडेय, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि शिव भगवान शुक्ल, सुरेंद्र नाथ तिवारी, नंद कुमार तिवारी, शिव शरण पांडेय, पंकज दूबे, रामसभा तिवारी सहित अन्य लोगों ने बधाई दी है।

चोरी के उपकरणों, देसी तमंचा मय कारतूस व एक तलवार के साथ दो अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। थाना लालगंज पुलिस द्वारा चोरी की योजना बनाते

समय अभियुक्तगण संतोष निषाद पुत्र बेचन निषाद साकिन बानपुर थाना लालगंज जनपद बस्ती उम्र 26 वर्ष, आरिफ उर्फ लालबाबू पुत्र स्वर्गीय बकरीदन साकिन बानपुर थाना लालगंज जनपद बस्ती उम्र लगभग 20 वर्ष को चोरी योजना बनाते समय ग्राम बानपुर स्थित गोगर के खेत मे बने मड़हा से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तो क्रमशःसंतोष उपरोक्त के कब्जे से एक अदद देशी तमंचा, 01 अदद जिंदा कारतूस 315 बोर,एक अदद पेचकस व नकद 1320 संबंधित मुकदमा थाना लालगंज व अभियुक्त आरिफ उर्फ लालबाबू के कब्जे से एक अदद तलवार, एक अदद पिलास व रुपये 1150 नगद संबंधित मुकदमा थाना लालगंज बस्ती का बरामद हुआ। इस संबंध में थाना स्थानीय पर मुकदमा शस्त्र अधिनियम पंजीकृत कर बाद आवश्यक विधिक कार्यवाही माननीय न्यायालय रवाना किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम का विवरण उ0नि0 महेंद्र कुमार, थाना लालगज, हे0का0राम मिलान, हे0का0रमेश यादव, हे.0का0 वीरेंद्र गोविंद राव, का0 धर्मेंद्र कुमार थाना लालगंज जनपद बस्ती।

प्रशस्ति–पत्र व मेडल देकर बच्चों को किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

रूपईडीह,गोंडा। शुक्रवार को उच्च प्राथमिक विद्यालय छितौनी में परीक्षा फल वितरण के साथ प्रशस्ति–पत्र व मेडल देकर

प्रतिभावान छात्रछात्राओं को सम्मानित किया गयाद्य कक्षा 5 में प्रथम स्थान पाने वाली छात्रा गौरी सिंह, कक्षा 6 की छात्रा रीत सिंह, कक्षा 7 के छात्र हृदयराम व कक्षा 8 के छात्र जोत प्रकाश को विद्यालय के प्रधानाध्यापक अवधेश त्रिपाठी ने पुरस्कृत कियाद्य अन्य विशिष्ट सह शैक्षणिक क्रिया–कलापों के लिए विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक व राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के ब्लॉक अध्यक्ष सूर्य मणि पाण्डेय ने सरस्वती चौरसिया, मुस्कान वर्मा, काजल, करिश्मा, सानिया वर्मा, महिमा चौरसिया, मोनिका वर्मा, शालिनी व सीमा गुप्ता को सम्मानित कियाद्य इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका नीलम सचान, अंजू मौर्य, हेमलता सिंह तथा शिक्षक मनीष कुमार उपाध्याय, अजयपाल सिंह, अजय दूबे तथा विद्यालय के छात्रछात्राएं उपस्थित रहे।

बूथ सत्यापन कार्यशाला को विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने किया संबोधित

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनकापुर,गोण्डा। गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत गौरा विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक मुख्यालय बभनजोत पर आयोजित बूथ सत्यापन कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यशाला सदस्य, जिला उपाध्यक्ष महेश नारायण तिवारी के साथ सम्मिलित होकर बूथों का सत्यापन किया गया। विधायक गौरा ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओ एवं पदाधिकारियों को पार्टी के उद्देश्य को पूरा करने के लिए क्षेत्र मे केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही लोक कल्याण कारी योजनाओं के बारे मे जनजन तक पहुंचाने का अपील किया। इस अवसर पर विधायक प्रभात कुमार वर्मा मनीष सिंह श्रीवास्तव, श्रवण शुक्ला, जिला पंचायत सदस्य रिंकू सिंह, जितेंद्र नाथ पाण्डेय मंडल अध्यक्ष, जसवंत सिंह मण्डल अध्यक्ष, शिव प्रसाद यादव मण्डल अध्यक्ष, सोहरत वर्मा मण्डल अध्यक्ष, सेक्टर संयोजक, सेक्टर प्रभारी एवं सम्मानित संगठन के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

युवा मोर्चा ने नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष का किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। भारतीय जनता युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा जिला अध्

यक्ष अमित गुप्ता के नेतृत्व में बड़ी संख्या में अपने नव नियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय का स्वागत बस्ती टोल प्लाजा के निकट किया गया। मुख्य रूप से उपस्थित भाजयुमो क्षेत्रीय अध्यक्ष पुरुषार्थ सिंह ने बताया जब कोई कार्यकर्ता हमारे बीच से निकल कर पार्टी में शीर्ष पर पहुंचता है तो यह कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार करने जैसा होता है। पूर्ण विश्वास है आपके नेतृत्व में पूरे गोरखपुर क्षेत्र में व बस्ती के आगामी नगर निकाय चुनाव में नगर पालिका व सभी नगर पंचायतों में भाजपा विजय होगी। जिला महामंत्री उत्कर्ष ने बताया छात्र जीवन से विद्यार्थी परिषद, भाजयुमों में सक्रिय भूमिका में रहे युवाओं को नेतृत्व प्रदान करने वाले ऐसे युवा जोश से परिपूर्ण एक कार्यकर्ता को जब नेतृत्व प्रदान किया जाता है तो यह अन्य युवा कार्यकर्ताओं को भी बल व बिना रुके निरंतर चलते रहने व अपने क्षेत्र में अपने कार्यों के प्रति ईमानदार रहने की सिख देता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जिला मंत्री रवि जसवाल, दिव्यांशु दुबे, प्रद्युमन शुक्ल, ऋषभ गुप्ता, विशाल गुप्ता, पल्लव श्रीवास्तव, अजय वर्मा, आलोक त्रिपाठी इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खलिहान की भूमि पर हुए अवैध कब्जे का जिम्मेदार कौन

श्रवण पटवा/ दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। जब शोहरतगढ़ तहसील प्रशासन अपने द्वारा जारी आदेश का ही अनुपालन ही नहीं करा पा रही है तो ऐसे में उस आदेश का अनुपालन कौन कराएगा? सबसे बड़ा सवाल है। मामला शोहरतगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत इमलिया सुमाली का है। शिकायतकर्ता देवेन्द्र मणि त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम पंचायत के खलिहान गाटा संख्या–97 मि०ध्0.013हे० में अवैध कब्जे को लेकर एसडीएम कार्यालय से 27 फरवरी 2023 को एक आदेश जारी हुआ कि नायब तहसीलदार की अगुवाई में नायब तहसीलदार समेत 7 लोगों की टीम बनाई जाएगी और पुलिस बल के साथ 6 मार्च 2023 को पुलिस प्रशासन के सहयोग से अबैध कब्जा धारकों के विरुद्ध बेदखली की कार्रवाई की जाएगी किंतु आदेश के 25 दिन बाद भी खलिहान की भूमि पर हुए अवैध कब्जे को लेकर अभी तक किसी तरह की कार्रवाई का न होना तहसील प्रशासन पर सवालिया निशान पैदा करता है। इसके साथ ही शिकायतकर्ता ने बताया कि विपक्षी के पास पहले से 2 स्थानों पर भूमि है, लेकिन उसकी नजर ग्राम पंचायत के खलिहान भूमि पर बनी हुई है, जिस पर वह मकान भी बना लिया है, और उसकी मंशा धीरे धीरे पूरे खलिहान पर कब्जा करने की है। कई बार की शिकायत के बाद जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही के नाम पर केवल खाना पूर्ति कर रहे है,जिससे उसका मानोबल बढ़ता जा रहा है। शिकायत कर्ता ने यह भी कहा कि यदि गाँव के भूमियों से अबैध कब्जा नही हटवाया गया तो मजबूर माननीय न्यायालय की शरण मे जाना पड़ेगा, तो भी मैं तैयार हूँ। ग्राम समाज के खलिहान भूमि से अबैध कब्जे को लेकर जब शोहरतगढ़ एसडीएम प्रदीप कुमार यादव से बात की गई तो उन्होंने कहा कि उच्च अधिकारियों के निर्देश के बाद कार्यवाही होगी, मेरे स्तर की कार्यवाही नही है। इसके साथ ही तहसीलदार शोहरतगढ़ राजेश प्रताप सिंह ने शीघ्र ही दूसरी तिथि घोषित कर कार्यवाही करने की बात कही है।

- **आदेश के बाद भी खलिहान की भूमि से कब बेदखल होगे अबैध कब्जा धारक 25 दिन बाद भी एसडीएम के आदेश का नही हुआ अनुपालन**
- **खलिहान की भूमि पर हुए अबैध कब्जे को लेकर प्रशासन ने साधी चुप्पी**

छोटे किसानो का गेहूँ प्राथमिकता के आधार पर क्रय करें: जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। रवी विपणन वर्ष 2023–24 में गेहूँ खरीद के संबध में जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने क्रय केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिया कि छोटे किसानो का गेहूँ प्राथमिकता के आधार पर क्रय करेंगे। किसानो का समय से भुगतान कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने जिला खाद्य विपणन अधिकारी को निर्देश दिया कि क्रय केन्द्र प्रभारियों का व्हाटसएप ग्रुप बना ले। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी गोरखनाथ त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2023–24 के लिए रू0 2125 गेहूँ का समर्थन मूल्य निर्धारित किया गया है। जनपद में गेहूँ की खरीद 01 अप्रैल 2023 से की जायेगी। जनपद में 62 क्रय केन्द्र बनाये गये है। क्रय केन्द्र पर पीने के पानी और छाया की व्यवस्था होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की समस्या नही होनी चाहिए। क्रय केन्द्र प्रभारी की शिकायत मिलने पर संबधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त एम. एम.आई., ए0आर0 कोआपरेटिव, तथा क्रय केन्द्र प्रभारी आदि उपस्थित थे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर जिलाधिकारी ने किया बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियानध्दस्तक अभियान एवं राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग से बचाव हेतु दिनांक 01 अप्रैल 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने संबंधित समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप डेंगू मलेरिया चिकनगुनिया तथा अन्य संचारी रोग तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित इलाज सर्वोच्च प्राथमिकताओं में एक है। जिलाधिकारी ने बताया कि संचारी रोगो के नियंत्रण के लिए जनपद में दिनांक 01.04.2023 से 30.04. 2023 तक एक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाएगा। जिसमें 15 अप्रैल 2023 से 30 अप्रैल 2023 तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी विभाग इस अभियान के सफल बनाने में अपना सहयोग करेगे। संबधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह संचारी रोग नियंत्रण अभियान का सफल आयोजन करें। दस्तक अभियान तथा संचारी अभियान में आंगनवाड़ी की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित की जाए। जिला पंचायत राज अधिकारीध्अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाध्पंचायत में विशेष साफ–सफाई तथा फांगिंग कराना सुनिश्चित करेंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 वी.के.अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त कुल 10 विभिन्न विभागों का भी सहयोग प्राप्त किया जाएगा। जिसमें प्रमुख रूप से नगर विकास, ग्राम विकास, पशुपालन विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग,उद्यान विभाग एवं सूचना विभाग शामिल रहेंगे। दस्तक अभियान के अंतर्गत फ्रंटलाइन वर्कर आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकत्री कुल पांच प्रकार की सूचनाएं घर–घर भ्रमण के दौरान प्राप्त करेंगी तथा उन्हें ब्लॉक मुख्यालय पर उपलब्ध कराएंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए बताया कि समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षकध्प्रभारी प्राचार्य मेडिकल कालेज डा0 ए0के0झा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एम0पी0सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, समस्त खण्ड विकास अधिकारी तथा अन्य संबधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानाचार्य चंद्रभान हुए रिटायर, मनोज को मिला चार्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। कस्बा के बाबा हरिदास इंटर कालेज उसका के प्रधानाचार्य चन्द्र भान त्रिपाठी शुक्रवार को रिटायर हुए है तथा प्रबंधतंत्र ने विद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षक मनोज गौतम को प्रधानाचार्य पद का कार्यभार सौंपा है। विद्यालय पर के शिक्षक कक्ष में समारोह पूर्वक पुष्पमाला पहनाकर व उपहार भेंट कर रिटायर हुए प्रधानाचार्य चन्द्र भान त्रिपाठी को शिक्षकों ने भावभीनी विदाई दी है। इसके उपरांत प्रबंध तंत्र ने शिक्षक मनोज गौतम को प्रधानाचार्य पद का कार्यभार सौंपा है। इस अवसर पर किसान इंटर कालेज के प्रधानाचार्य गोपेश्वर चौबे ने कहा कि नियुक्ति व रिटायर एक सतत प्रक्रिया है जो चलती रहती है। जो आज नौकरी में आया है वह कल रिटायर होगा। इसीतरह अन्य शिक्षकों ने रिटायर प्रधानाचार्य को निरोग, सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर पूर्व प्रधानाचार्य मुनीन्द्र दूबे, राम कृपाल, राम उजागिर पाण्डेय, धर्मेंद्र पाण्डेय, देवेंद्र श्रीवास्तव, प्रमोद पाण्डेय, सिरोही आदि रहे।

कम्पोजिट अपर प्राइमरी स्कूल भारत भारी में अंकपत्र पाकर खुशी से झूम उठे बच्चे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। कम्पोजिट अपर प्राइमरी स्कूल भारत भारी में विद्यालय के छात्र छात्राओं को भारत भारी हनुमान गढ़ी मन्दिर के बाबा कृष्ण मणि दास के द्वारा अंकपत्र वितरित किया गया। अंकपत्र पाकर सभी बच्चे खुशी से झूम उठे। इंचार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद नदीम ने बताया कि कक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले कक्षा एक से कक्षा आठ तक के सभी बच्चों को मेडल एवं पुरुस्कार देकर पुरुस्कृत एवं सम्मानित किया गया है। कक्षा पाँच में प्रथम स्थान राधा विश्वकर्मा, द्वितीय स्थान रोशनी एवं तृतीय स्थान अमन विश्वकर्मा, कक्षा आठ में प्रथम स्थान आँचल, द्वितीय स्थान खुशी विश्वकर्मा एवं तृतीय स्थान कविता ने प्राप्त किया। भारत भारी हनुमान गढ़ी मन्दिर के बाबा कृष्ण मणि दास ने सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी बच्चे खूब मन लगाकर पढें एवं अपने माता पिता का नाम रोशन करें। इस अवसर पर इश्तियाक अहमद, अजय कुमार उपाध्याय, इरशाद अहमद, तनवीर अहमद द्विजेश चन्द्र द्विवेदी, शैलेन्द्र चौधरी रामसजीवन, केशरी मिश्रा, नीतू शुक्ला, रामेन्द्र मणि त्रिपाठी, रामसजीवन आदि लोगों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। कस्बा के अम्बेडकर नगर में शुक्रवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ है। महिलाएं पंक्तिबद्ध होकर कलश लेकर कलश यात्रा में शामिल हुई। कलश यात्रा मोगलहा, रेहरा, परती, ससनी, तेतरी, आदि स्थानों पर होते हुए कस्बा के सटे कूड़ा नदी पर पहुँची। यहाँ वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच श्रद्धालुओं ने कलश में जल भरकर श्रीमद्भागवत कथा परिसर के लिए प्रस्थान किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने राधा कृष्णा की जय हो के जयकारे भी लगाए। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कलश यात्रा में कथा वाचक आचार्य संतोष जी महाराज, कृष्ण लला, वेदव्यास मिश्र, विवेकानन्द पाण्डेय, देवेश, पवन कुमार मिश्र, अर्चना, श्रेया, मिथिलेश, बदामा देवी, राज कुमार मिश्र, संजय आदि रहे।

प्रधानाध्यापक एसएमसी अध्यक्ष और ग्राम प्रधान का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसकाबाजार,सिद्धार्थनगर। खण्ड विकास अधिकारी उसका बाजार के सभागार में प्रधानाध्यापक, एसएमसी अध्यक्ष और ग्राम प्रधान का एक दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसके आयोजक खण्ड शिक्षा अधिकारी महेंद्र कुमार रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि रामसुरेश चौहान और विशिष्ट अतिथि खण्ड विकास अधिकारी महोदया कृतिका अवस्थी रहीं। सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंच का संचालन एकेडमिक रिसोर्स पर्सन गुलाम जिलानी ने किया। स्वागत गीत स्कूल छात्र छात्राओं ने ष्अनपढ़ बहूष् नाटक प्रस्तुत कर शिक्षा के महत्व के बारे में सन्देश दिया। गुलाम जिलानी ने शारदा कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया तथा इसमें एसएमसीऔर ग्राम प्रधान तथा जनप्रतिनिधि कैसे सहयोग कर सकने पर चर्चा किया गया। शारदा कार्यक्रम पर लघु वीडियो भी दिखाया गया। डीबीटी के बारे में राघवेन्द्र तिवारी ने बताया कि प्राप्त 1200 ध का उपयोग कैसे करना है निपुण सामग्री, विज्ञान किट आदि के बारे में विस्तृत चर्चा किया गया। 1 अप्रैल से शुरू हो रहे नामांकन पर भी सभी से सहयोग की अपेक्षा की गयी।आपरेशन कायाकल्प के चर्चा के दौरान रामसुरेश और खण्ड विकास अधिकारी महोदया सुश्री कृतिका अवस्थी ने अपने स्तर से हर सम्भव सहयोग देने की बात कही। सभी सत्रों का संचालन कुशलतापूर्वक हुआ। कार्यक्रम में एआरपी रामसेवक प्रसाद गुप्ता, अजीजुर्रहमान, विभिन्न शैक्षिक संगठनों के पदाधिकारी, अभय कुमार श्रीवास्तव, शिवपाल सिंह, हरिशंकर सिंह, रूपेश सिंह, बालजीत कुमार, संजय आनन्द, राकेश सिंह, शिवाकांत दूबे, मंजूर इलाही, जरीना बेगम शाह, किरन यादव, मनोरमा देवी, गुलाब चन्द,शिवलाल सिंह, मनोज कुमार, दिनेश कुमार जायसवाल, सुभाष चंद्र जायसवाल, कलावती, सन्त सेवक, सुभावती, सीमा श्रीवास्तव, विभा सिंह, मो.रफीक आदि प्रधानाध्यापक, एसएमसी अध्यक्ष व ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

व्यापारी वर्ग ने शाखा मैनेजर का 1 वर्ष पूर्ण होने पर किया स्वागत'

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार,सिद्धार्थनगर। भारतीय स्टेट बैंक शाखा उसका बाजार के मैनेजर संतोष जायसवाल का 1 वर्ष पूर्ण होने पर व्यापारी वर्ग ने शुक्रवार को शाखा मैनेजर के पास पहुंचकर फूल माला पहनाकर स्वागत किया। व्यापारी वर्ग के लोगो ने शाखा मैनेजर की कार्यों कि सराहना करते हुए कहा कि इनका कार्य बहुत ही अच्छा रहा है और व्यापारी वर्ग पहुंचकर अभिनंदन किया। और इसी तरह कार्यों सराहना करते हुए शुभकामनाएं भी दिए है। इस दौरान व्यापारी राकेश आर्य,मनीष अग्रहरी, मनीष पांडेय, निसाकर दूबे, सत्यप्रकाश वर्मा,रवि अग्रहरी आदि लोग रहे मौजूद।

चिल्हिया से निर्विरोध सभापति चुनें गयें मुकेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़,सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खण्ड के चिल्हिया के सहकारी संघ से सभापति मुकेश कुमार श्रीवास्तव तथा उप–सभापति आस नारायन सिंह निर्विरोध चुने गए। जिसमें चुनाव अधिकारी, सचिव तथा संचालक समिति के सदस्य अवध किशोर सिंह, प्रेम राज चौधरी, अनीता सिंह, राम भवन, मनोज, कुमार सिंह, उमाशंकर उपाध्याय आदि की उपस्थिति में चुनाव का संचालन संपन्न हुआ। इसके बाद में चुनाव अधिकारी द्वारा सभापति मुकेश कुमार श्रीवास्तव तथा उप सभापति आस नारायन सिंह के नाम की घोषणा की। इस दौरान पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा ने निर्विरोध हुए पदाधिकारियों को माला पहनाकर जीत की शुभकामनाएं दीं।

सम्पादकीय

संकट में इजराइली लोकतंत्र

दिसंबर 2022 में धुर दक्षिणपंथी पार्टियों के समर्थन से तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नेतन्याहू को डर था कि भ्रष्टाचार के मुकदमों के कारण उन्हें पद के लिए अक्षम करार दिया जा सकता है। मगर खुद को बचाने की कोशिश में उन्होंने इजराइली लोकतंत्र को स्थायी क्षति पहुंचा दी है। अब देखने की बात होगी कि इजराइली जनमत ...

खुद को बचाने की कोशिश में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इजराइली लोकतंत्र को स्थायी क्षति पहुंचा दी है। अब देखने की बात होगी कि इजराइली जनमत प्रधानमंत्री को इस मनमानी से रोकने में किस हद तक कामयाब होता है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद पर चल रहे मुकदमों के असर अपने को बचाने की कोशिश की। इजराइल के इतिहास में सबसे अधिक धुर दक्षिणपंथी सरकार का फिलहाल नेतृत्व रहे नेतन्याहू ने ऐसा कानून पारित कराया, जिससे न्यायपालिका को पंगु बनाने की कोशिश समझा गया है। इस कानून में ऐसा प्रावधान भी है, जिससे सुप्रीम कोर्ट के किसी फैसले को संसद साधारण बहुमत से प्रस्ताव पारित कर निष्प्रभावी बना सकती है। बहरहाल, इजराइली समाज ने इस कोशिश को स्वीकार नहीं किया है। जब से नेतन्याहू की यह मंशा सामने आई, विरोध जताने के लिए वहां की सड़कों पर हजारों लोग लगभग रोजमर्रा के स्तर पर उतरे हैं। कहा जा रहा है कि इस मुद्दे पर इजराइली समाज में जैसा मत–विभाजन हुआ है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। विधेयक गुरुवार को संसद में पास हुआ। रात भर की तीखी बहस के बाद विधेयक के समर्थन में 61 वोट पड़े और विरोध में 47 मत। विधेयक के जरिए इजराइल में बेसिक लॉ कहे जाने वाले अलिखित संविधान में संशोधन कर दिया गया है। चूंकि इजराइल में लिखित संविधान मौजूद नहीं है, इसलिए वहां लोकतांत्रिक परंपराओं और कानून के राज को सुनिश्चित कराने में सुप्रीम कोर्ट की बहुत बड़ी भूमिका रही है। लोगों में गुस्सा इस कारण ही भड़का है कि इस कानून के जरिए सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को संकुचित किया गया है। इसका अर्थ यह निकाला गया है कि एक वोट के बहुमत से भी सत्ता में आने वाली सरकार अब मनमाने ढंग से राज करने में सक्षण हो जाएगी। यह इस संशोधन का दूरगामी असर होगा। फौरी तौर पर विपक्ष ने इसे नेतन्याहू की मदद करने वाला निजी कानून करार दिया है। दिसंबर 2022 में धुर दक्षिणपंथी पार्टियों के समर्थन से तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नेतन्याहू को डर था कि भ्रष्टाचार के मुकदमों के कारण उन्हें पद के लिए अक्षम करार दिया जा सकता है। मगर खुद को बचाने की कोशिश में उन्होंने इजराइली लोकतंत्र को स्थायी क्षति पहुंचा दी है। अब देखने की बात होगी कि इजराइली जनमत प्रधानमंत्री को इस मनमानी से रोकने में किस हद तक कामयाब होता है।

शिव जी की कृपा से अयोध्या धाम में श्रीरामचंद्र जी का चरित्र प्रकाशित हुआ

भगवान भोलेनाथ की कृपा के बिना इस संसार में कुछ भी संभव नहीं है। वे देवों के देव महादेव हैं। इस संसार को अजर और अमर बनाने में देवाधिपति महादेव की महती भूमिका है। भगवान शिव ने ही श्रीराम के चरित्र को अपनी कृपा के द्वारा अविरल, निर्मल और अलौकिक गुणों से युक्त किया है।गोस्वामी तुलसीदास जी श्रीरामचरित मानस के बालकांड में लिखते हैं कि सादर सिवहि नाई अब माथा। बरनउ बिसद राम गुन गाथा।। संबत सोरह सै एकतीसा। करउ कथा हरि पद धरि सीसा।। अर्थात मैं आदरपूर्वक श्री शिव जी को सिर नवाकर श्री रामचंद्र जी के गुणों की निर्मल कथा कहता हूं। श्री हरि के चरणों पर सिर रख कर संवत 1631 में इस कथा का आरंभ करता हूं। इस तरह देवाधिपति महादेव की कृपा प्राप्त कर गोस्वामी जी श्रीराम कथा के लेखन में सन्नद्ध होते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी बारंबार लिखते हैं कि नौमी भौम बार मधुमासा। अवधपुरी यह चरित प्रकासा।। जेहि दिन राम जनम श्रुति गावहिं । तीरथ सकल तहां चलि आवहिं।। अर्थात चौत्र मास की नवमी तिथि मंगलवार को श्री अयोध्या जी में यह चरित्र प्रकाशित हुआ। जिस दिन श्री राम जी का जन्म होता है, वेद कहते हैं कि उस दिन सारे तीर्थ वहां (श्री अयोध्या जी में) चले आते हैं। पुनः गोस्वामी जी का कथन है कि असुर नाग खग नर मुनि देवा। आइ करहिं रघुनायक सेवा।। जन्म महोत्सव रचहिं सुजाना। करहिं राम कल कीरति गाना।। अर्थात असुर, नाग, पक्षी, मनुष्य, मुनि और देवता सब अयोध्या जी में आकर श्री रघुनाथ जी की सेवा करते हैं। बुद्धिमान लोग जन्म का महोत्सव मनाते हैं और श्रीराम जी की सुंदर कीर्ति का गान करते हैं। मूर्ख इसमें कमी निकालते हैं। वे जाति ढूंढते हैं। राम नवमी के दिन सोशल मीडिया में दो पोस्ट देखा जिसमें किसी ने भगवान श्री राम को क्षत्रिय जाति का बताया। श्रीराम , सिंह जाति के नहीं हैं। वे इक्ष्वाकु वंश और रघुकुल के हैं। वे मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम हैं। ईश्वर को किसी भी जातिगत सीखचों में कैद किया जा सकता है क्या! अभी कुछ दिन पूर्व एक नेता जी , वे भी गोस्वामी तुलसीदास जी और प्रभु श्री राम की जाति के विषय में बयान बाजी कर रहे थे। भगवान श्रीराम इस सृष्टि के प्रत्येक कण कण में व्याप्त हैं। प्रभु श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं । जाति भगवान ने नहीं बनाईय जाति तो मनुष्यों ने बनाई है। समाज में जहर की भांति घुले हुए जातिवाद के दायरे में भगवान को न घसीटें। अंत में

सर्व सुलभ भक्ति हुई, अनत राम उपकार।
दाता सबके राम हैं, दरस हुआ साकार।।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

हेट स्पीच : सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी जायज है

ऐसा नहीं है कि न्यायपालिका ने पहली बार इस मामले पर नाराजगी जताई हो। इसी साल इसी बेंच ने इस प्रवृत्ति को शर्मनाक बताते हुए चेतावनी दी थी कि यह शर्मसार का रूप धारण कर लेगी। देखना तो यह है कि क्या भाजपा समाज में अशांति, घृणा व हिंसा की कीमत पर सत्ता बनाये रखेगी या उच्चतम न्यायालय की उक्त टिप्पणी को गम्भीरता से लेकर हेट स्पीच पर ठोस नियंत्रण लाएगी। वैसे उपाय...

जिन कड़े शब्दों के साथ सर्वोच्च न्यायालय ने देश भर में अपनाई जा रही नफरत की भाषावली के खिलाफ बात कही है, वह यही दर्शाता है कि पानी नाक तक पहुंच गया है। यह देश की सरकार, उसके विभिन्न अंगों एवं संवैधानिक संस्थाओं के लिये भी पर्याप्त बड़ी चेतावनी है जो इस बात की ओर साफ इशारा कर रही है कि अगर जल्दी ही आग उगलती भाषा और बयानों पर रोक न लगाई गई तो स्थिति हाथ के बाहर चली जायेगी। भारत पिछला कुछ काल अभूतपूर्व हिंसक व नफरती बोलों का ज्वार देश रहा है जो देश व समाज को तोड़ने पर आमादा है। आजाद भारत ने जिस प्रकार बड़ी कठिनाई से समाज के विभाजन को कम करने की कोशिशें की हैं, उस पर हालिया परिस्थितियां पानी फेरती नजर आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि शराज्य नपुंसक व शक्तिहीन है। प्रदेश हेट स्पीच को रोकने की प्रणाली क्यों विकसित नहीं कर पा रहे हैं?श शीर्ष कोर्ट के ये शब्द उसकी नाराजगी ही नहीं वरन उसकी चिंता और पीड़ा सब कुछ बयां करने के लिये काफी हैं। यह देश के हर संवेदनशील व समझदार नागरिक की निराशा का प्रतिबिम्ब है जो पिछले कुछ समय से इस तरह के बयानों की बाढ़ को सतत ऊंचा होते देख रहे हैं– लाचारी व भय के साथ। बुधवार को जस्टिस केएम जोसेफ व जस्टिस बीवी नागरत्ना की एक बेंच ने ये विचार उस याचिका की सुनवाई के दौरान प्रकट किये जो महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ इस आरोप को लेकर दायर की गई है कि वह रैलियों के दौरान हेट स्पीच के विरूद्ध तत्काल कार्रवाई लेने में नाकाम रही है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि सकल हिन्दू समाज ने महाराष्ट्र भर में करीब 50 रैलियों में एक वर्ग के खिलाफ नफरती व हिंसक भाषा का प्रयोग किया है। बेंच ने इसके पूर्व कार्यपालिका से स्वतरू संज्ञान लेकर कार्रवाई करने के निर्देश दिये और कहा कि वह किसी के द्वारा शिकायत दर्ज करने का इंतजार न करे। किसी भी देश और वहां की सरकार के लिए इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता कि शीर्ष कोर्ट को ऐसी टिप्पणी करनी पड़े और इस आशय के निर्देश विशेष रूप से देने पड़ें जिसके बारे में कानून की किताबों में पहले से पर्याप्त प्रावधान हैं और कार्रवाई की स्पष्ट प्रक्रिया है। सवाल यह है कि हालात यहां तक कैसे पहुंचे और उसके लिये दोषी कौन हैं। जनसामान्य में यह बात अब बड़ी स्पष्ट है कि देश की मौजूदा तस्वीर हाल ही में उकेरी गई है। सामाजिक ध्रुवीकरण में राजनैतिक जीत व सत्ता हासिल करने का सफल नुस्खा ढूंढ़ लेने वाली भारतीय जनता पार्टी की यह साफ तौर पर देन कही जा सकती है। उसकी मातृसंस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वैचारिक खाद–पानी से सिंचित व विकसित हुई भाजपा की आईडियालॉजी समाज में विभाजन व परस्पर अलगाव को बढ़ावा देती आई है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनी 2014 और उसके बाद दोबारा सत्ता सम्भालने वाली भाजपा सरकार ने इस हेट स्पीच को खूब बढ़ावा दिया है। पार्टी के भीतर साम्प्रदायिक व सामाजिक विखंडन की एक प्रभावी प्रणाली तैयार कर दी गई है जिसका सूत्र संचालन मंत्री और बड़े नेता तक करते हैं। केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद प्रवेश वर्मा द्वारा दिये गये नफरत भरे भाषणों को कौन भूल सकता है जिसमें उन्होंने विरोधी विचारधारा के लोगों को गोली मारने की बात कही थी। साम्प्रदायिक सौहार्द्र व सामाजिक समरसता की इच्छा रखने वाला नागरिक हो या कानून के राज में विश्वास रखने वाली अवाम तब निराश हो जाती है जब कोर्ट ऐसे लोगों को यह कहकर बरी कर देती है कि शमुस्कुरा कर किया गया अपराध कोई अपराध नहीं होता।श ऐसे ही, धर्म संसदों के जरिये एक वर्ग विशेष के नरसंहार का आह्वान करने वाले या तो पकड़ में नहीं आते अथवा जल्दी ही जमानत पर बाहर निकल आते हैं– नये सिरे से घृणा और हिंसा फैलाने के लिये। सत्ता चलाने वाले दल ऐसी तेजाबी बात कहने वालों के लिये उन्हें शफ्रिंज एलीमेंट्सश कहकर उनसे पीछा छुड़ा लेते हैं। देश की आजादी में योगदान दिलाने वालों के खिलाफ भी नफरत फैलाई जाती है और समाज उसे बेबस होकर देखता रहता है। ऐसा नहीं है कि न्यायपालिका ने पहली बार इस मामले पर नाराजगी जताई हो। इसी साल इसी बेंच ने इस प्रवृत्ति को शर्मनाक बताते हुए चेतावनी दी थी कि यह शर्मसार का रूप धारण कर लेगी। देखना तो यह है कि क्या भाजपा समाज में अशांति, घृणा व हिंसा की कीमत पर सत्ता बनाये रखेगी या उच्चतम न्यायालय की उक्त टिप्पणी को गम्भीरता से लेकर हेट स्पीच पर ठोस नियंत्रण लाएगी। वैसे उपाय तो शीर्ष कोर्ट ने बताया ही है– धर्म को राजनीति से अलग कर दिया जाये।

अगर सत्ताधारी गठबंधन संसदीय समितियों से अनुमोदन प्राप्त कर लेता है और केनेसेट के अधिवेशन में उसे नए कानून को पारित कराने लायक वोट मिल जाते हैं तो, जैसा कि राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग, ने कई बार चेतावनी दी है कि देश में गृहयु) शुरू हो जाएगा। आंशका है कि फ्रांस और इजराइल दोनों में वसंत का असंतोष गर्मियां आते–आते हिंसा और खूनखराबे में बदल सकता है...

मसीहा नेतन्याहू के खिलाफ उठ खड़े हुए इजराइली!

श्रुति व्यास

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू देश–दुनिया में बदनाम और अलोकप्रिय हो गए हैं। वजह उनके द्वारा न्यायपालिका के सिर पर कार्यपालिका को बैठाने के प्रस्तावित कानूनी सुधार। सोमवार को देश की सबसे बड़ी यूनियन जन आंदोलन में शामिल हुई। और येरूसलेम का एयरपोर्ट ठप्प। येरूसलम व तेल अवीव सहित लगभग पूरे देश में जनजीवन थम गया है। इतना ही नहीं सेना के रिर्जव जवान भी आंदोलनकारियों के साथ सड़ध्क पर उतरे। उनके प्रति रक्षा मंत्री के रूख को समझ नेतन्याहू ने रविवार को रक्षा मंत्री योव गेलेंट को बर्खास्त किया। इसके बाद विरोध प्रदर्शनों में और तेजी आई। गेलेंट ने सार्वजनिक रूप से स्टेंड लिया है कि न्यायिक बदलाव की प्रक्रिया रोकी जाए। यह चेतावनी भी दी कि इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ेगी। सोमवार को इन पंक्तियों के लिखे जाने तक अंतरराष्ट्रीय मीडिया में अनुमान है कि नेतन्याहू राष्ट्र के नाम संदेश में न्यायपालिका को दबाने के प्रस्ताव को वापिस लेने की घोषणा करेंगे।

सचमुच इजराइल उबल रहा है। वह दो हिस्सों में बंट गया है। जो लोग सड़कों पर उतरे हैं उनका मानना है कि अगर उन्होंने अभी आवाज नहीं उठाई, विद्रोह नहीं किया तो सरकार को राष्ट्रवादी एजेंडे पर चलने और धार्मिक पार्टियों की जी हुजूरी करने से कोई नहीं रोक पाएगा। उन्हें डर है कि सुप्रीम कोर्ट के कमजोर हो जाने से सरकार पर कोई नियंत्रण नहीं रह जाएगा। दूसरी ओर अति कट्टरपंथी इजरायली नागरिक न तो सड़कों पर उतर रहे हैं और ना ही सरकार की योजनाओं के विरूद्ध याचिकाओं पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। एक थिंक–टैंक, इजराइल डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट के अनुसार इजराइल के धर्मनिरपेक्ष यहूदियों में से अब तक लगभग एक–तिहाई विरोध प्रदर्शनों में भाग ले चुके हैं परंतु अति–कट्टरपंथी इजरायलियों की इन प्रदर्शनों में भागीदारी नहीं के बराबर है। इजराइल हमेशा से दो हिस्सों में बंटा रहा है परंतु नेतन्याहू के ताजा कार्यकाल में ये विभाजन और गहरे हुए हैं। इनके मूल में यह डर है कि देश का प्रजातांत्रिक चरित्र खतरे में है। दरअसल दो इजराइल एक–दूसरे के आमने–सामने हैं दृ पहला है धार्मिक परंतु अपेक्षाकृत विपन्न इजराइल जिसका नेतृत्व नेतन्याहू का गठबंधन कर रहा है। दूसरी तरफ है काफी हद तक धर्मनिरपेक्ष और मध्यम–वर्गीय इजराइल जिसे ऐसा लगता है कि सुप्रीम कोर्ट ही देश के उदारवादी मूल्यों की रक्षा कर सकता है। फ्रांस की तरह इजराइल में भी वातावरण गंभीर और अनिश्चित है। यद्यपि आंदोलन और विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कोई नहीं कर रहा है परंतु सेना के रिजर्वस्टिों की ओर से सुधारों से तौबा करने का जबरदस्त और अनापेक्षित दबाव है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इजराइल के मित्र देश भौचक्का हैं। वे समझ नहीं पा रहे हैं कि देश किस ओर जा रहा है। निरंतर जोर पकड़ते आंदोलन और सरकार की उदासीनता से अमेरिका चिंतित है। इजराइल के घटनाक्रम से अच्छे संकेत नहीं मिल रहे हैं। सत्तर लाख की आबादी वाले देश के विभिन्न भागों में लगभग पांच लाख लोग पिछले दस सप्ताह से प्रदर्शनों में भाग ले रहे हैं, पुलिस से उनकी भिड़ंत हो रही है। नेतन्याहू के नेतृत्व में देश में शांति रही है और प्रगति हुई है। नेतन्याहू को उनके प्रशंसक और विरोधी दोनों किंग बीवी कहते हैं। वे अब तक पन्द्रह साल से अधिक सत्ता में रह चुके हैं और उन्होंने देश के संस्थापकों में से एक और प्रथम प्रधानमंत्री डेव्हिड–बेन–गुरियन से देश के सबसे लंबी अवधि के प्रधानमंत्री का तमगा छीन लिया है। परंतु भ्रष्टाचार के आरोपों और राजनैतिक अस्थिरता के कारण 2019 से लेकर अब तक इजराइल में पांच चुनाव हो चुके हैं। जून 2021 में नेतन्याहू सत्ता से बाहर हो गए थे परंतु देश को एक स्थिर सरकार की दरकार थी जिसके चलते पिछले नवंबर में उनकी लिकुड पार्टी के नेतृत्व वाले घोर दक्षिणपंथी और कट्टर धार्मिक दलों के एक गुट ने चुनाव में बहुमत हासिल कर लिया। इसके बाद जो सरकार बनी है वह इजराइल की अब तक की सबसे दक्षिणपंथी सरकार है। नेतन्याहू का संसद की मंजूरी के लिए बना प्रस्ताव न्यायपालिका को पंगु बनाता है, यही सत्ताधारी गठबंधन का मुख्य एजेंडा है। यद्यपि नेतन्याहू व्यक्तिगत तौर पर इसकी बहुत वकालत नहीं कर रहे हैं परंतु उनकी पार्टी के अन्य सदस्य यह छुपाने की तनिक भी चेष्टा नहीं कर रहे हैं कि वे इजराइल के सुप्रीम कोर्ट से नफरत करते हैं। उनका मानना है कि सुप्रीम कोर्ट को आवश्यकता से अधिक शक्तियां प्राप्त हैं और यह भी कि वह सेटलर मूवमेंट, इजराइल के अति धार्मिक समुदायों और मिजराही यहूदियों अर्थात मध्यपूर्व के यहूदियों के खिलाफ पूर्वाग्रहग्रस्त है। वैसे भी इजराइल के दक्षिणपंथियों ने अब तक सुप्रीम कोर्ट को 2005 के उस निर्णय के लिए माफ नहीं किया है जिसके अंतर्गत गाजा पट्टी से इजराइल की सेनाओं की वापिसी हुई थी। नेतन्याहू ने जो सुधार प्रस्तावित किए हैं उनके अंतर्गत 120 की सदस्यता वाली इजरायली संसद केनेसेट, 61 के बहुमत से सुप्रीम कोर्ट के किसी भी निर्णय को पलट सकेगी और अधिकांश जजों की नियुक्ति का अधिकार राजनीतिज्ञों के हाथों में होगा। जाहिर है कि इससे न्यायपालिका कमजोर होगी और राजनीतिज्ञ अभूतपूर्व शक्तियों से लैस हो जाएंगे। इसका यह अर्थ भी होगा कि नेतन्याहू पर भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा नहीं चल सकेगा। जहां तक नेतन्याहू का सवाल है, वे गंभीर मुश्किल में फंस गए हैं। इजरायली मीडिया के अनुसार नेतन्याहू शायद कोई समझौता करने को तैयार भी हो जाएंगे परंतु उनके अति–दक्षिणपंथी साथी इसके लिए तैयार नहीं हैं और वे सरकार को गिराने की स्थिति में हैं। नेतन्याहू विपक्षी दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाने का प्रयास कर सकते हैं परंतु समस्या यह है कि कोई उनपर विश्वास करने को तैयार नहीं है। यदि कथित न्यायिक सुधार वर्तमान स्वरूप में लागू कर दिए गए तो इजराइल एक अभूतपूर्व संवैधानिक संकट में फंस सकता है। सुप्रीम कोर्ट उसकी शक्तियों को कम करने वाले कानून को पूर्णतरू या अंशतरू असंवैधानिक घोषित कर रद्द कर सकता है और सरकार कोर्ट का आदेश मानने से इंकार कर सकती है। समय बीतता जा रहा है।

जयपुर को मिलेगा भारत का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम, 75 हजार से अधिक लोगों के बैठने की होगी क्षमता

जयपुर। भारत का दूसरा और दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम जयपुर में बनेगा। इस क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) और राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस स्टेडियम का निर्माण 100 एकड़ से अधिक जगह में होगा। बता दें कि इससे पहले राजस्थान सरकार के इन्वेस्ट राजस्थान समिट 2022 के मौके पर वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने घोषणा की थी कि आरसीए द्वारा निर्माण किया जा रहा है। इस स्टेडियम के निर्माण में आरसीए भी मदद कर रहा है। बता दें कि दावा है कि यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह भारत के खेल बुनियादी ढांचे में सबसे बड़े कॉरपोरेट निवेशों में से एक है। इसके तहत कंपनी स्टेडियम के लिए 300 करोड़ रुपये खर्च करेगी। स्टेडियम का नाम अनिल अग्रवाल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, जयपुर रखा जाएगा। इसका नाम 'अनिल अग्रवाल अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम–जयपुर' होगा।

100 एकड़ में होगा स्टेडियम

भवानी शंकर समोता और हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष व आरसीए के मुख्य संरक्षक डॉ. सी.पी. जोशी तथा अन्य लोग मौजूद रहे। दिल्ली रोड जयपुर पर बनने वाले इस स्टेडियम का निर्माण 100 एकड़ में होगा जहां कई सुविधाएं होंगी। इस स्टेडियम में 75 हजार दर्शकों के बैठने की एमओयू पर आरसीए सचिव क्षमता होगी।

दो चरणों में होगा निर्माण

इस स्टेडियम के निर्माण के लिए दो चरणों में काम होना है। इसमें पहले चरण का काम शुरू हो चुका है। पहले चरण में 40 हजार दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी। इस स्टेडियम में हर वर्ल्ड क्लास सुविधा उपलब्ध होगी। पहले चरण के निर्माण में 400 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

स्टेडियम में होंगी कई सुविधाएं: क्रिकेट के लिए बनाए जा रहे इंटरनेशनल स्टेडियम में कई तरह की सुविधाएं दी जाएंगी। इस स्टेडियम में 11 पिच, 2 प्रैक्टिस मैदान, 1 क्रिकेट एकेडमी, होस्टल, पार्किंग सुविधा, स्पोर्ट्स क्लब, होटल, जिम जैसी कई अंतर्राष्ट्रीय सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

आईपीएल 2023 की ट्रॉफी के साथ दिखे सभी टीमों के कप्तान

इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में 16वां सीजन शुरू होने जा रहा है। सीजन की शुरुआत डिफेंडिंग चौंपियन गुजरात टाइटंस और चार बार खिताब पर कब्जा कर चुकी चेन्नई सुपर किंग्स के मुकाबले से होगी। इस टूर्नामांट की शुरुआत से पहले सभी कप्तानों ने मिलकर ट्रॉफी के साथ स्पेशल फोटोशूट करवाया। इस फोटोशूट में हर टीम का कप्तान उपस्थित रहा। मगर इस फोटोशूट में एक कप्तान ने हिस्सा नहीं लिया। दरअसल इस फोटोशूट से मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा नदारद रहे। इस फोटोशूट में ना ही रोहित शर्मा नजर आए और ना ही मुंबई इंडियंस का कोई खिलाड़ी ही इसमें दिखा। इस स्पेशल फोटोशूट से नदारद रहने पर फैंस काफी हैरान हुए है। फैंस रोहित शर्मा के फोटोशूट में ना रहने की वजह जानने को भी काफी उत्सुक है। बता दें कि फोटोशूट के दौरान रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान फाफ डू प्लेसी, कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान नितीश राणा, पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन, लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल, चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी, गुजरात जायंट्स के कप्तान हार्दिक पांड्या, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर और सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान के रूप में भुवनेश्वर कुमार नजर आये। भुवी ने दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम की जगह ली, जो पहले मुकाबले के बाद आएंगे।

रोहित शर्मा नहीं दिखे सभी टीमों के कप्तानों के रहने के बाद भी इस फोटोशूट में रोहित शर्मा कहीं दिखाई नहीं दिए। दरअसल फोटोशूट के लिए अहमदाबाद पहुंचना था मगर रोहित शर्मा अहमदाबाद नहीं गए थे। बताया गया है कि रोहित शर्मा की तबियत सही नहीं थी जिस कारण वो अहमदाबाद नहीं गए थे। बीमार पड़ने के कारण वो अहमदाबाद नहीं जा सके थे। ऐसे में वो फोटोशूट का हिस्सा नहीं बन सके थे। वैसे फैंस को अधिक परेशान होने की समस्या नहीं है क्योंकि मुंबई इंडियंस के रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ होने वाले पहले मैच तक वो उपलब्ध हो जाएंगे। आपको बता दें कि मुंबई इंडियंस को पहला मैच इस सीजन आरसीबी के खिलाफ खेलना है और टीम जीत के साथ शुरूआत करना चाहेगी।

फुटबॉल महिला लीग की तैयारी हुई शुरू, घोषित किए गए ग्रुप के नाम, 25 अप्रैल से होगी भिड़ंत

महिला फुटबॉल लीग (आईडब्ल्यूएल) की शुरुआत 25 अप्रैल से होने वाली है। इस बार महिला फुटबॉल लीग के लिए ग्रुपों की घोषणा कर दी गई है। नई दिल्ली में फुटबॉल हाउस में ड्रॉ आयोजित होने के बाद गुरुवार को आगामी भारतीय महिला लीग के लिए ग्रुपिंग की घोषणा की गई। इस बार कुल 16 टीमें लीग में हिस्सा लेंगी जिन्हें दो ग्रुपों में बांटा गया है।

इसके लिए खासतौर से ड्रॉ का आयोजन किया गया था। इस ड्रॉ के दौरान अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव डॉ. शाजी प्रभाकरन भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि महिला फुटबॉल लीग का यह सीजन एक अधिक प्रतिस्पर्धी लीग की योग्यता प्रतियोगिता की तरह है जो अगले अभियान में प्रभावी होगा।ष

उन्होंने कहा, ष्सभी 16 टीमों को मेरी शुभकामनाएं, जो आईडब्ल्यूएल का हिस्सा होंगी। हमने कई क्लबों के साथ बैठक की और भारतीय महिला फुटबॉल के विकास और तेजी से विकास के लिए एक समग्र स्थिति बनाने के लिए सभी प्रयास किए गए हैं।ष

गौरतलब है कि इस बार सीजन की शुरुआत 25 अप्रैल से होगी, जिसमें 16 टीमों को दो ग्रुपों में बांटा गया है। हर ग्रुप में से शीर्ष चार में रहने वाली टीमों को नॉकआउट चरण में क्वालीफाई करने का मौका मिलेगा। इसमें क्वालिफाई करने वाली टीमों को क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबला खेलने को मिलेगा। शीर्ष आठ में रहने वाली टीमों को अगले साल भी फायदा मिलेगा। अगले साल के महिला फुटबॉल लीग के लिए सीधे स्लॉट में उन्हें एंट्री मिलेगी, जो की होम–एंड–अवे आधार पर खेले जाएंगे।

पांच सीजन हो चुके है

गौरतलब है कि महिला प्रीमियर लीग के कुल पांच सीजन अब तक खेले जा चुके है। ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन ने 2016–17 में उद्घाटन सत्र जीता, फाइनल में राइजिंग स्टूडेंट्स क्लब को 3–0 से हराया। राइजिंग स्टूडेंट्स क्लब ने 2017–18 सीजन में ट्रॉफी जीतकर और फाइनल में ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन को हराकर इस हार का बदला लिया। सेतु ने फाइनल में मणिपुर पुलिस को हराकर टूर्नामेंट का 2018–19 संस्करण जीता। गोकुलम केरल लीग के इतिहास में सबसे सफल टीम है, जिसने 2019–20 और 2021–22 में टूर्नामेंट जीता है।

ये हैं दोनों ग्रुप्सः

ग्रुप एः गोकुलम केरला एफसी, माता रुकमणि एफसी, होप्स एफसी, मिसाका यूनाइटेड एफसी, कहानी एफसी, ईस्ट बंगाल एफसी, स्पोर्ट्स ओडिशा, मुंबई नाइट्स एफसी।

ग्रुप बी : सेतु एफसी, किकस्टार्ट्स एफसी, सेल्टिक क्वींस एफसी, ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन, सीआरपीएफ एफसी, चर्चिल ब्रदर्स एफसी, लॉर्ड्स एफए कोच्चि, ओडिशा एफसी।

अलकाराज सेमीफाइनल में, रायबकिना महिला वर्ग के फाइनल में

मियामी गार्डन्स। शीर्ष रैंकिंग के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अलकाराज ने मियामी ओपन के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में

अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को आसानी से शिकस्त देकर अंतिम चार में जगह पक्की की। स्पेन के इस खिलाड़ी ने एक घंटे 18 मिनट तक चले मुकाबले में 10वीं रैंकिंग पर काबिज फ्रिट्ज को 6–4 6–2 से मात दी। यह इस साल 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत है। सेमीफाइनल में अलकाराज के सामने यानिक सिन्नर की चुनौती होगी। पुरुषों के एक अन्य क्वार्टर फाइनल डेनियल मेदवेदेव अमेरिका के क्वालीफायर क्रिस यूबैंक्स को 6–3 7–5 से हराया। मेदवेदेव के सामने सेमीफाइनल में हमवतन कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। खाचानोव ने फ्रांसिस्को सेरुंडोलो 6–3 6–2 से पराजित किया। महिला वर्ग में एलिना रायबकिना ने सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला को बारिश से प्रभावित मैच में 7–6(3) 6–4 से शिकस्त दी। फाइनल में उनके सामने 15वीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा और गैरवरीय सोराना क्रिस्टी के बीच खेले जाने वाले सेमीफाइनल मुकाबले की विजेता की चुनौती होगी।

पॉर्न स्टार को पैसे देकर बुरे फंसे ट्रंप, अगले सप्ताह सरेंडर करेंगे

डोनाल्ड ट्रंप के अगले सप्ताह की शुरुआत में मैनहट्टन जिला

अटॉर्नी (डीए) कार्यालय में आत्मसमर्पण करने की संभावना है। उनके वकील जो टैकोपिना ने एनबीसी न्यूज को इस बात की जानकारी दी है। स्थिति से परिचित कई सूत्रों ने यह भी कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति की कानूनी टीम अभियोजकों के संपर्क में है और उनकी पेशी भी अगले सप्ताह होने की उम्मीद है। न्यूयॉर्क ग्रैंड जूरी ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पोर्नस्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को छुपाकर पैसे देने के मामले में गुरुवार को डोनाल्ड ट्रंप को अभ्यारोपित किया। वह आपराधिक आरोपों का सामना करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने। हालांकि, अगर उन्हें इस मामले में दोषी भी ठहराया जाता है, तो 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए ट्रम्प की दावेदारी को अयोग्य नहीं ठहराया जाएगा। ट्रंप ने पिछले साल नवंबर में चुनावों के लिए अपना उम्मीदवारी पत्र दाखिल किया था। डीए के एक प्रवक्ता ने कहा कि वे पहले से ही ट्रम्प के वकील के संपर्क में हैं ताकि उनके आत्मसमर्पण की व्यवस्था की जा सके। प्रवक्ता ने एनबीसी के हवाले से कहा कि हमने ट्रम्प के वकील से मैनहट्टन डीए के कार्यालय में सुप्रीम कोर्ट के अभियोग पर आरोप लगाने के लिए उनके आत्मसमर्पण का समन्वय करने के लिए संपर्क किया, जो सील के अधीन है।

क्या है पूरा मामला : पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर राष्ट्रपति अभियान के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को कथित रूप से छुपाए गए पैसे के भुगतान को कवर करने के लिए कानून के तहत आरोप लगाया है। साल 2017 में पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स ने मीडिया के सामने आकर कहा था कि साल 2006 में डोनाल्ड ट्रंप और उनके बीच अफेयर था। इस बात की भनक ट्रंप की टीम को लग गई थी। उनके वकील माइकल कोहेन ने स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था। डेनियल्स को पैसे का भुगतान करना अवैध नहीं था, बल्कि ये जिस माध्यम से किया गया था वो अवैध था। ट्रंप के वकील ने गुपचुप तरीके से ये डेनियल्स को दी थी।

रूस के पड़ोसी देश ने जो अचानक हिंदी में कहा वो चौंका देगा

एडम बुराकोव्स्की का ये भाषण क्यों हो रहा वायरल

भारत में पोलैंड के राजदूत एडम बुराकोव्स्की ने भारत छोड़ने और दक्षिण अफ्रीका में अपना नया कार्यकाल शुरू करने से पहले कहा कि नई दिल्ली में बिताया गया समय उन्हें जीवन भर याद रहेगा और भारत को फिर से देखने की उम्मीद है। एएनआई से बात करते हुए बुराकोव्स्की ने हिंदी में कहा कि वह यहां परिवार के साथ बिताए अपने समय को याद रखेंगे और संजोएंगे। उन्होंने अपने कार्यकाल के बारे में भी बात की और कहा कि इस अवधि के दौरान, भारत और वारसॉ के बीच संबंध मजबूत हुए। पोलैंड के राजदूत ने कहा कि मेरा कार्यकाल पांच साल का था और इन पांच सालों के दौरान संबंध मजबूत हुए और अब हम और अधिक जुड़े हुए हैं। हमारे बीच अधिक आर्थिक सहयोग है और लोगों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। भारत से मेरा रिश्ता 26 साल का है, मैं पहली बार 1997 में एक टूरिस्ट के तौर पर भारत आया था। मैं पहले दिन से आपके देश से प्यार करता हूं। मैंने हिंदी सीखना शुरू किया और संस्कृति और राजनीति के इतिहास में दिलचस्पी लेने लगा और फिर मैं भारत में राजनीति विज्ञान का विद्वान और विशेषज्ञ बन गया। और भारत की मेरी सबसे अच्छी याद ये सभी 26 साल हैं। उन्होंने कहा, ष्हम कुछ बहुत कठिन समय से गुजरे हैं। कोविड महामारी के दौरान, हमने एकजुटता दिखाई और हमने दिखाया कि कैसे हम वैश्विक समस्याओं से लड़ने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। दूत ने ऑपरेशन गंगा पर भी प्रकाश डाला, जहां पिछले साल फरवरी में रूस और यूक्रेन के बीच संकट के बाद पोलैंड ने यूक्रेन से भारतीय छात्रों को निकालने में मदद की थी।

इस्लामाबाद में पाक विदेश मंत्री की इफ्तार पार्टी में भारतीय राजनयिक हुए शामिल

इस्लामाबाद स्थित राजनयिक कोर के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा आयोजित इफ्तार रात्रिभोज

में एक भारतीय राजनयिक शामिल हुए। विदेश मंत्री बिलावल ने राजधानी में स्थित राजनयिकों के साथ भारतीय प्रभारी अधिकारियों को निमंत्रण दिया। सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि भारत ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और उसके वरिष्ठ राजनयिक ने विदेश कार्यालय में रात्रिभोज में भाग लिया। भारत और पाकिस्तान आमतौर पर इस तरह के समारोहों में एक–दूसरे को आमंत्रित करने से बचते हैं, लेकिन इफ्तार डिनर में एक भारतीय राजनयिक की उपस्थिति से संकेत मिलता है कि अगर पाकिस्तान रक्षा और विदेशी की आगामी भारत में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के मंत्री की बैठकों में भाग लेता है तो दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर बातचीत की संभावना हो सकती है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, राजनयिक कोर को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि वह यह स्वीकार करने के लिए तैयार थे कि पिछली सरकार द्वारा अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सामूहिक रूप से जिक्र करते हुए, बहुत सारी कठिनाइयां श्हमारीश खुद की बनाई हुई थीं। हम कुछ ऐसे निर्णयों के आर्थिक परिणामों का सामना कर रहे हैं जो हमारे नियंत्रण में नहीं हैं। लोग बाढ़ के रूप में एक जलवायु आपदा के विनाशकारी प्रभाव का सामना कर रहे हैं, जिसके घटित होने में उनकी बहुत कम या कोई भूमिका नहीं रही है। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा, युवा पीढ़ी विशेष रूप से उन फैसलों के परिणामों का सामना कर रही है जो उन्होंने नहीं किए। उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी के कारण जो आर्थिक संकट पैदा हुआ है, उसका सामना केवल पाकिस्तान ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया कर रही है। बिलावल ने कहा, ष्दुनिया में भू–राजनीतिक स्थिति ने दुनिया के सामने आने वाले परिणामों की बढ़ती सूची में इजाफा किया है।

सफेद हाथी बने चीनी विमान, हर साल हो रहा 60 करोड़ का नुकसान, रियायती कर्ज में फंसा नेपाल अमेरिका को बेचने की फिराक में लगा

इन दिनों साइबर फ्रॉड में 2 हजार के बदले 70 हजार गंवाने वाले चाइनिज लिंक से जुड़े एप के मकड़जाल और उसके जानलेवा चक्रव्यूह से जुड़ी खबरें तो आप आए दिन अखबारों में पढ़ते होंगे। लेकिन चीन के एक कर्ज जाल ने भारत के पड़ोसी देश नेपाल को ऐसा फंसाया कि वो पिछले नौ बरस से इससे बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है, लेकिन फिर भी सफल नहीं हो पाया है। आलम ये है कि चीन को इसकी वजह से हर साल 60 करोड़ नेपाली रुपये का नुकसान हो रहा है। भारत के पड़ोसी देश नेपाल को ये उम्मीद थी कि इन्हें संचालित करके वो संकटों से गुजर रही

नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के लिए रेवेन्यू कमा सकता है। लेकिन दो साल से अधिक वक्त बीत चुका है और चीन के लग्जरी विमान नेपाल के आसमान की बजाए जमीन पर ही खड़े हैं और जंग खा रहे हैं। चीन से लिए विमानों के कारण उसे यह नुकसान हो रहा है। अब नेपाल इन विमानों को बेच रहा है। एक अमेरिकी कंपनी ने सोमवार से इन विमानों की कीमत आंकने का काम शुरू कर दिया है, वह महीनेभर में रिपोर्ट देगी। उसके बाद विमान वचन की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। नेपाल ने 2012 में चीन से विमान खरीदने का समझौता किया था। इनमें 56 सीटों वाले दो एमए60 विमान और 17 सीटों वाले चार वाई12ई विमान थे।

चीन के जाल में कैसे फंसा नेपालः इस डील को आसान बनाने के लिए चीन ने नेपाल को करीब 6.67 अरब रुपए का लोन दिया। कुछ राशि में से 2.94 अरब रुपए से एक एमए60 और एक वाई12ई विमान का भुगतान किया गया था। अन्य विमान 3.72 अरब रुपए से खरीदे गए। चीन की एग्जिम बैंक ने इसके लिए लोन मुहैया कराया था। डील के अनुसार नेपाल सरकार को 1.5 प्रतिशत की दर से वार्षिक ब्याज और वित्त मंत्रालय की ओर से लिए गए कुल लोन का 0.4 फीसदी सर्विस चार्ज और मेंटेनेंस खर्च का भुगतान करना पड़ता है।

नौ सीटों पर बदला आरक्षण, सूरमा हुए चित

नगर विकास विभाग ने जिले की दो नगर पालिकाओं व आठ नगर पंचायतों के लिए जारी किया आरक्षण

महराजगंज। नगर विकास विभाग की ओर से निकाय चुनाव संबंधी आरक्षण को जारी कर दिया गया है। जारी आरक्षण के मुताबिक जिले के दस निकायों में से नौ सीटों पर उम्मीद के मुताबिक बदलाव हो गया है। सीटों पर आरक्षण के बदलने से कई सूरमाओं की गणित भी गड़बड़ा गई है। निकाय चुनाव के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए उच्चतम न्यायालय की ओर से रिपोर्ट को स्वीकार करने के बाद से ही निकायों में चुनाव लड़ने वाले दावेदारों की धड़कने बढ़ गई थीं। जारी किए गए आरक्षण में नगर पंचायत सोनौली की सीट को दिसंबर में जारी आरक्षण के मुताबिक इस बार भी बरकरार रखा गया है। वहीं, नगर पालिका महराजगंज व नौतनवां के साथ ही नगर पंचायत चौक, आनंदनगर, घुघली, परतावल, निचलौल, बृजमनगंज व पनियरा में सीटों के आरक्षण के बदलने से तैयारी करने वाले प्रत्याशियों को अब नए सिरे से एक बार फिर अपने प्रयासों को शुरू करना होगा।

30 मार्च को जारी हुई आरक्षण की स्थितिः नगर निकाय का नाम आरक्षण नगर पालिका महराजगंज अनुसूचित जाति महिला

नगर पालिका नौतनवां अनारक्षित नगर पंचायत चौक अनुसूचित जाति महिला नगर पंचायत आनंदनगर महिला नगर पंचायत घुघली अन्य पिछड़ा वर्ग नगर पंचायत सोनौली अनारक्षित नगर पंचायत परतावल अन्य पिछड़ा वर्ग महिला नगर पंचायत निचलौल अनारक्षित नगर पंचायत बृजमनगंज अनारक्षित नगर पंचायत पनियरा अन्य पिछड़ा वर्ग

घोषित आरक्षण पर छह अप्रैल तक ली जाएगी आपत्ति

जिले के 10 निकायों के घोषित आरक्षण पर छह अप्रैल तक आपत्ति प्राप्त की जाएगी। आरक्षण पर जिसे भी आपत्ति हो वे अपर जिलाधिकारी कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत करें। उनकी आपत्तियों के निस्तारण की दिशा में प्रयास किया जाएगा।

—डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी

पिछले चुनाव में आरक्षण की स्थिति

नगर पालिका महराजगंज अन्य पिछड़ा वर्ग नगर पालिका नौतनवां अन्य पिछड़ा वर्ग नगर पंचायत घुघली अनारक्षित नगर पंचायत निचलौल अनारक्षित नगर पंचायत सोनौली अनारक्षित नगर पंचायत आनंदनगर अनारक्षित

दिसंबर में घोषित आरक्षणः दिसंबर माह में घोषित किए गए जिले के आरक्षण पर गौर किया जाए तो दस में से छह सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गईं थीं। नौतनवां नगर पालिका के साथ ही नगर पंचायत बृजमनगंज व पनियरा के अध्यक्ष पद की सीट महिला के लिए आरक्षित थी। नगर पंचायत आनंदनगर व चौक बाजार की सीट अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित थी। नगर पालिका महराजगंज की सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हुई थी, जबकि नगर पंचायत सोनौली की सीट अनारक्षित।

सिसवा पालिका में नहीं होगा चुनावः सिसवा नगर पालिका का मामला काफी दिनों से न्यायालय में चल रहा है। ऐसे में इस बार यहां पर निकाय चुनाव नहीं होगा। यहां पर चुनाव कराने के लिए न तो दिसंबर में आरक्षण आया था औ न ही इस बार। 166 वार्डों में भी चुनाव का मार्ग होगा प्रशस्तः जिले के 10 निकायों में आरक्षण के घोषित होने से 166 वार्डों में चुनाव का मार्ग प्रशस्त होगा। नगर पालिका महराजगंज व नौतनवां के 25—25 वार्डों, नगर पंचायत आनंदनगर के 18, नगर पंचायत निचलौल के 13, नगर पंचायत घुघली के 11, नगर पंचायत सोनौली व पनियरा के 14—14, नगर पंचायत बृजमनगंज के 16 तथा नगर पंचायत परतावल व चौक के 15—15 वार्डों में सभासद पद पर चुनाव लड़ने का भी मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

आरक्षण जारी होते ही शुरू हुई चर्चाः जिले के दो नगर पालिकाओं व आठ नगर पंचायतों में आरक्षण के जारी होते ही चर्चा तेज हो गई है। लोग जगह—जगह जारी किए गए आरक्षण को लेकर चर्चा करते नजर आए। नगर पालिका महराजगंज के ब्लॉक मुख्यालय पर अतुल, अनिल, बृजेश समेत आदि लोगों ने जारी हुए आरक्षण को लेकर संभावित प्रत्याशियों के बारे में चर्चा की। वहीं, अन्य निकायों के प्रमुख चौराहों आदि पर लोग चुनाव के बारे में बात करते नजर आए।

देवरिया नगर पालिका सहित छह निकायों की कमान महिलाओं के हाथ

देवरिया। नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना .शासन ने जारी कर दी है। देवरिया नगर पालिका की कमान एक बार फिर महिला के हाथ में होगी। इसके अलावा पांच निकायों के अध्यक्ष की कुर्सी महिलाओं के लिए सुरक्षित की गई है। आरक्षण घोषित होने के बाद अब दावेदार भी तैयारी में जुट जाएंगे। जबकि दूसरी तरफ सीट आरक्षण में चली जाने के कारण कुछ दावेदारों निराश हुए हैं, क्योंकि वह बाहर हो जाएंगे। निकाय — आरक्षण वर्गः नगर पालिका परिषद देवरिया — महिला नगर पालिका परिषद गौरा बरहज — अनारक्षित नगर पंचायत बैतालपुर — अनुसूचित जाति महिला नगर पंचायत भलुअनी — अनुसूचित जाति नगर पंचायत हेतिमपुर — पिछड़ा वर्ग नगर पंचायत पथरदेवा — अनारक्षित नगर पंचायत मझौलीराज — अनारक्षित नगर पंचायत बरियारपुर — पिछड़ा वर्ग महिला नगर पंचायत गौरीबाजार — अनारक्षित नगर पंचायत लार — पिछड़ा वर्ग नगर पंचायत मदनपुर — महिला नगर पंचायत तरकुलवा — पिछड़ा वर्ग नगर पंचायत सलेमपुर — अनारक्षित नगर पंचायत रूद्रपुर — महिला नगर पंचायत भटनी — अनारक्षित नगर पंचायत रामपुर कारखाना — पिछड़ा वर्ग महिला नगर पंचायत भाटपाररानी — अनारक्षित अब 262 वार्डों के आरक्षण का इंतजारः अध्यक्ष पद के आरक्षण के साथ ही अब चुनावी तैयारी में जुटे लोगों के जिले के सभी निकायों के 262 वार्डों के आरक्षण का इंतजार है। प्रबल संभावना है कि इसी सप्ताह आरक्षण घोषित हो जाएगा। इसे लेकर सभासद बनने का सपना संजोए दावेदारों की धड़कनें बढ़ गई हैं।

पत्नी गई मायके, घर में संदिग्ध हाल में पति की मौत

महराजगंज/चिऊटहां। सिंदुरिया थाना क्षेत्र के पड़री उर्फ मीरगंज के रहने वाले दयानंद उर्फ मंगरू का शव छत के कुंडे से लटका मिला। घटना के दौरान पत्नी घर में नहीं थी। दो बच्चे घर में थे। बच्चों ने देखकर शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पत्नी ने पति को जमीन बेचने से मना कर दिया था, इससे वह नाराज था। पत्नी भी पति से गुस्सा होकर मायके चली गई थी। ग्राम सभा पड़री ऊर्फ मीरगंज का दयानंद ऊर्फ मंगरू (30) नशे का सेवन करता था। माता—पिता की मौत के बाद उसने अपने हिस्से की करीब 75 डिस्मिल जमीन बेचकर शराब पीकर खर्च कर दी थी। शेष जमीन भी वह एक व्यक्ति के हाथों बेचने के लिए निचलौल तहसील में गया था। इसकी जानकारी उसकी पत्नी माला को हो गई। माला ने अपने पिता खेसरारी निवासी दुर्गा को जानकारी दी। पिता को साथ लेकर तहसील में पहुंची और पति को खेत बेचने से मना किया तो वहीं दोनों की लड़ाई हो गई। किसी तरह मामला शांत हुआ और दोनों घर आ गए। नाराज पत्नी अपने दो बच्चों अंकुश (5), शिवम (3) को छोड़कर अपने पिता के साथ मायके चली गई। घर में दयानंद अपने दोनों बच्चों के साथ रात में सोया था। सुबह उसका बड़ा पुत्र अंकुश जगा तो पिता को अपने पास नहीं पाकर उसे खोजते हुए बगल के कमरे के जंगले के पास गया तो देखा कि उसके पिता का शव पंखे के हुक से लटक रहा है। इसकी सूचना उसने लोगों को दी। लोगों ने पुलिस सहित उसके ससुराल वालों को सूचना दी। चौकी प्रभारी पंकज सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

विकास खण्ड उतरौला में अतिआधुनिक सभागार का फीता काटकर उद्घाटन किया

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला,बलरामपुर। विधायक राम प्रताप वर्मा ने विकास खण्ड उतरौला में अतिआधुनिक सभागार का फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर ब्लांक प्रमुख प्रतिनिधि महिपाल चौधरी, खण्ड विकास अधिकारी उतरौला सुमित सिह समेत तमाम विभागीय अधिकारी व ग्राम प्रधान मौजूद रहे। विधायक राम प्रताप वर्मा ने नवनिर्मित सभागार का फीता काट कर उसका उद्घाटन किया। उसके बाद विधायक राम प्रताप वर्मा ने नवनिर्मित सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विकास खण्ड क्षेत्र में चलरहे विकास कार्यों को शत प्रतिशत लागू करने का आहावान किया। अधिकारियों से कहा कि गांव में निचले पायदान के लोगों तक सरकार की विकास योजनाओं को पहुंचाने में अधिकारी ग्राम प्रधान का सहयोग लेकर उसे लागू करें। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि महिपाल चौधरी ने कहा कि विकास खण्ड उतरौला में बैठक के लिए कोई सभागार नहीं था। इस कारण आधुनिक सभागार निर्माण किए जाने से अधिकारियों को बैठक करने में काफी सहूलियत मिलेगी। खण्ड विकास अधिकारी उतरौला सुमित सिह ने बताया कि शासन व विधायक की प्रेरणा से उतरौला विकास खण्ड परिसर में आधुनिक सभागार का निर्माण कराया गया है। इससे क्षेत्र के विकास में काफी प्रगति होगी। समारोह में ग्राम प्रधान संघ उतरौला के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र वर्मा समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे।

दूसरी बार सभापति चुनाव निर्विरोध निर्वाचित हुएः बाबु नंदन शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

नौतनवां। शुक्रवार को 20रू 23 को साधन सहकारी संघ देवघट्टी

का चुनाव संपन्न हुआ मैं बाबू नंदन शर्मा पुनः दूसरी बार सभापति निर्विरोध निर्वाचित हुआ हूं इसी के साथ साथ उपसभापति ध्रुव नारायण वर्मा सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि निर्विरोध निर्वाचित हुए जिसमें मुख्य रुप से उपस्थित तरैनी साधन सहकारी समिति के अध्यक्ष संजय सिंह, विश्वनाथ मिश्रा, ब्रह्म देव, नारद यादव, अमित वर्मा, सुनील प्रजापति, शैलेश गुप्ता, संघ के सचिव मनोज गुप्ता, दयाशंकर गुप्ता, गिरजा शंकर गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

फर्नीचर कारोबार से मिला 5,000 लोगों को मिला रोजगार

महराजगंज। जिले में फर्नीचर कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। करीगरों को जहां काम मिला रहा है, वहीं, प्रोत्साहन मिलने से कारोबार भी आगे बढ़ रहा है। जबसे एक जिला, एक उत्पाद में फर्नीचर का चयन हुआ, तबसे इस क्षेत्र में व्यवसायियों का रुझान बढ़ा है। वन क्षेत्र से जुड़े इस जनपद में बेशकीमती लकड़ियां आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं। इस कारोबार में करीब 5,000 लोगों को काम मिला है। जनपद वन संपदा के मामले में धनी है। यहां कुशल कारीगर भी हैं। मजबूत व टिकाऊ फर्नीचर बनते हैं। ऐसे में यहां से अन्य प्रांतों में भी फर्नीचर की आपूर्ति की जाती है। ग्रामोद्योग कार्यालय में हर साल करीब 10 से 12 बेरोजगार युवकों को काष्ठ कला व्यवसाय के लिए ऋण दिया जाता है। उद्योग कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, एक जिला, एक उत्पाद का शुभारंभ 2018—19 में हुआ। योजना के तहत वर्तमान में 1,050 को टूल किट दी गई है। इससे उनको काम करने में आसानी हुई। 60 लोगों को ऋण दिए गए हैं। गुडविल फर्नीचर उद्योग को 25 लाख, बभनौली में अमरनाथ फर्नीचर उद्योग को 50 लाख का ऋण मिला है। खान फर्नीचर की एक करोड़ ऋण लेने की फाइल बैंक में है। योजना के तहत कारोबार को आगे बढ़ाने में उचित प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिले की पहचान फर्नीचर कारोबार से तमाम परिवारों का गुजर—बसर हो रहा है। नक्काशी वाले फर्नीचरों की मांग ज्यादा रहती है।

बिहार से लेकर बड़े महानगरों में भेजा जाता है फर्नीचरः निचलौल ब्लॉक के खानौली निवासी सेवानिवृत्त सैनिक गौरीशंकर गुप्ता ने फर्नीचर उद्योग में पहचान बनाई है। शुरुआत में उन्होंने हिम्मत जुटाई। पूंजी लगाई और जिले में फर्नीचर कारोबार शुरू किया। उनका फर्नीचर केवल जिले में ही नहीं अन्य प्रदेशों में भी भेजा जा रहा है। गौरीशंकर 2003 में सेवानिवृत्त हुए तो लुधियाना में व्यवसाय करने चले गए। कई शहरों को देखा और सुना लेकिन वहां मन नहीं लगा। उन्हें अन्य प्रदेशों में फर्नीचर की किल्लत दिखी। 2013 में महराजगंज आए तो फर्नीचर को उद्योग बना लिया। दो साल बाद गोरखपुर रोड पर बैकुंठपुर में अपने निजी मकान में शोरूम खोल लिया। गोरखपुर, पडरौना, डुमरियागंज में भी शोरूम खोले।

फर्नीचर उत्पाद के लिए उपयुक्त

महराजगंज जिले में लगभग 342 वर्ग किमी क्षेत्र वन से घिरा हुआ है। यह पूरे जिले के लगभग 11.59 प्रतिशत क्षेत्र के बराबर है। यह जिला वन से घिरा होने के कारण विभिन्न फर्नीचर के उत्पाद के लिए उपयुक्त है। कारण यह कि यहां मुख्य तौर पर साल के पेड़ मौजूद हैं। यह विभिन्न प्रकार के फर्नीचर उत्पादों जैसे कि कुर्सी, दरवाजा, बिस्तर, सोफा, मेज इत्यादि के उत्पाद में इस्तेमाल होने वाली प्रमुख सामग्री है। यहां फर्नीचर के कुशल कारीगर भी हैं।

भाकियू अराजनैतिक लगाएगी पंचायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटियाथोक,गोंडा। भाकियू अराजनैतिक के द्वारा विभिन्न समस्याओं को लेकर शनिवार को इटियाथोक क्षेत्र के जगन्नाथी पुर ग्राम पंचायत में पंचायत लगाई जाएगी जिसमें क्षेत्र की कई समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा इस पंचायत में हजारों किसानों के जुटने की उम्मीद है यह जानकारी भाकियू महिला विंग की अध्यक्षा रूमन शुक्ला ने दी है।

बेबी शो का किया गया आयोजन, रीता बहुगुणा जोशी ने महिला को किया सम्मानित

बाल विकास द्वारा स्वास्थ्य शिशु बेबी शो के कार्य संचालक अमित पाण्डेय सभी का किया आभार व्यक्त

दैनिक बुद्ध का संदेश

प्रयागराज,उरुवा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसा में बेबी शो कार्यक्रम का

किया गया आयोजन हेल्दी बेबी शो का आयोजन स्वास्थ्य विभाग एवं आईसीडीएस विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। बताते चलें कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रीता बहुगुणा जोशी ने बेबी शो कार्यक्रम में चार गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्में निभाते हुए सात बच्चों का अन्नप्राशन भी किया। जानकारी के मुताबिक तीन हेल्दी बेबी बच्चों को कार्यक्रम में पुरस्कृत भी किया गया आईसीडीएस विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश सिंह के दिशा निर्देश के क्रम में बाल परियोजना अधिकारी रमेश कुमार एवं उनके सहायक कर्मचारी अमित पाण्डेय, सुमित्रा त्रिपाठी, एवं सरस्वती देवी के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाया। जिसमें पचास आंगनवाड़ी कार्यकर्ती सहायिका के साथ चालीस बच्चे उपस्थित हुए बाल विकास परियोजना उरुवा प्रयागराज में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसके उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि रीति बहुगुणा जोशी ने सभी को कार्यों की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य की कमान करते हुए कार्यक्रम का सफल किया।

अंकपत्र वितरण व विदाई समारोह का हुआ आयोजन

बेहतर जीवन के लिए शिक्षा जरूरी—अहमद फरीद

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज,सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज शुक्रवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौहनिया राज में अंकपत्र वितरण एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अहमद फरीद अब्बासी एवं विशिष्ट अतिथि एन आर आई (न्यूजीलैंड) सॉफ्टवेयर इंजीनियर व योगा शिक्षक अजय अग्रहरि मौजूद रहे। सर्वप्रथम विद्यालय परिवार ने बुके भेंट कर एवं बैच लगाकर अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों का स्वागत करते हुए व बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक आरिफ उस्मानी ने कहा कि बच्चे खूब पढ़े और तरक्की के रास्ते पर जाएं। एक अप्रैल से नए सत्र में बच्चों का प्रवेश प्रारंभ होगा। सभी अभिभावक अपने बच्चों का एडमिशन विद्यालय में अवश्य कराएं। कार्यक्रम में प्रत्येक कक्षा के टॉप टेन बच्चों को मेडल देकर के मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। बाद में बच्चों को अंक पत्र वितरण किया गया। इस मौके पर रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज चकचेई के प्रधानाचार्य अहमद फरीद अब्बासी ने कहा कि जीवन में शिक्षा का बड़ा महत्व है बेहतर जीवन के लिए शिक्षित होना जरूरी है उन्होंने अगली कक्षा में प्रवेश करने वाले सभी बच्चों को बधाई दी। वही कुछ बच्चों ने उत्सुकता दिखाते हुए एन आर आई सॉफ्टवेयर इंजीनियर से सवाल पूछा जिसका जवाब अजय अग्रहरि ने बड़े ही सरलता से दिया। कक्षा 8 के रविकिशन ने पूछा सॉफ्टवेयर इंजीनियर हम कैसे बन सकते हैं, ओमकार वर्मा ने पूछा विदेश में नौकरी कैसे हम पा सकते हैं। इस के बाद बच्चों द्वारा बनाए हुए चिड़िया के घोसले को मुख्य अतिथि एवं विशिष्टअतिथि को सप्रेम भेंट किया गया। कार्यक्रम में मोहम्मद मतीन व आवेश अहमद ने विदाई भाषण दिया। शाहबाज अहमद, रंजनी व अनुराधा ने विदाई गीत गाया। इस मौके पर अनुदेशक कुलदीप ने स्काउट गाइड के बारे में बताते हुए बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को बधाई दी। इस मौके पर सहायक अध्यापक अर्जुन प्रसाद प्रबंध समिति के अध्यक्ष अख्तर जहां, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश आदि उपस्थित रहे।

डीजे बजने पर पहले भी हो चुके हैं बवाल

महराजगंज। जिले में डीजे बजने पर पहले भी बवाल हो चुके हैं। इसके बाद भी पुलिस गंभीर नहीं हो रही है। डीजे की तेज आवाज से परेशान लोग मारपीट कर लेते हैं। 20 मार्च 2022 को जिले के पुरंदरपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत सोहरवालिया कला में होली पर्व पर डीजे बजाया जा रहा था। इसका कुछ लोगों ने विरोध किया। इसे लेकर मामले ने तूल पकड़ लिया और देखते ही दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दो पक्षों में मारपीट, 14 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

19 फरवरी 2023 को निचलौल थाना क्षेत्र के ओबरी गांव में विवाह समारोह में वर और वधू पक्ष के लोगों के बीच डीजे को लेकर विवाद हो गया था। वर पक्ष के 12 लोग गंभीर घायल हो गए थे। निचलौल पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। दो साल में डीजे बजने की इन दोनों घटनाओं से पुलिस ने सबक नहीं लिया। इससे एक बार फिर डीजे बजना एक व्यक्ति के लिए काल बन गया। लोगों का कहना है कि डीजे की तेज आवाज से समस्या होती है।

गौतमबुद्धनगर में ईट राइट मेले का हुआ आयोजन, विधायक तेजपाल नागर ने किया विधिवत उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतमबुद्धनगर। भारत एवं उत्तर प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जनपद गौतम बुद्ध नगर में ईट राइट मेले का हुआ आयोजन ईट राइट मेले का दादरी क्षेत्र के विधायक तेजपाल नागर के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया विधिवत उद्घाटन मेले के माध्यम से आम जनमानस को मोटे अनाजों को अधिक से अधिक खानपान में शामिल करने तथा किसानों को मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए किया गया प्रोत्साहित जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने मोटे अनाजों से बने उत्पादों का अवलोकन करते हुए की भूरी भूरी प्रशंसा आयोजित मेले में मोटे अनाज से बने खाद्य पदार्थ रहे आकर्षण का मुख्य केंद्र भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण भारत सरकार एवं खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के आयुक्त तथा जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में व सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय अर्चना धीरान के निर्देशन में एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल के नेतृत्व में आज जनपद गौतम बुद्ध नगर के ग्रैंड हेरिटेज रिसोर्ट निकट सिटी पार्क ग्रेटर नोएडा में ईट राइट मेले का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों का आह्वान किया कि उनके द्वारा इस तरह का आयोजन जनपद में समय–समय पर कराया जाता रहे, ताकि जनपद वासियों को मोटे अनाज के प्रति एवं मोटे अनाज के लाभ के बारे में जागरूक बनाया जा सके। इस अवसर पर भूतपूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी वीएन गौर ने मोटे अनाज के विभिन्न प्रकारों को रेखांकित करते हुए खानपान में मोटे अनाज को शामिल करने की आवश्यकता एवं उसके लाभ को विस्तार से बताया। उन्होंने मोटे अनाज के प्रचार प्रसार को लेकर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वितीय अर्चना धीरान ने बताया कि आज आयोजित होने वाले ईट राइट मेले के माध्यम से आम जनमानस को मोटे अनाजों को अधिक से अधिक खानपान में शामिल करने तथा किसानों को मोटे अनाजों के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर विद्यालयों में ईट राइट मेला पर आधारित पोस्टर मेकिंग तथा रंगोली प्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत किया गया तथा मोटे अनाजों पर व्याख्यान, डायटिशियन द्वारा संतुलित आहार पर व्याख्यान दिया गया तथा सेल्फी प्वाइंट, हस्ताक्षर अभियान आदि का आयोजन भी किया गया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय अर्चना धीरान ने बताया कि आयोजित होने वाले मेले में मोटे अनाज से संबंधित गौतम बुद्ध नगर के खाद्य कारोबारियों के अतिरिक्त सहारनपुर आदि अन्य जनपदों के खाद्य कारोबारियों ने भी बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया, शिक्षा, कृषि, खाद एवं रसद, इससे गौतम बुद्ध नगर में मोटे अनाज के खाद्य कारोबारियों को प्रोत्साहन मिलेगा। ईट राइट मेले के अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी तेज प्रताप मिश्र भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि मेले को सफल बनाने में कोषागार तथा अन्य विभागों के अधिकारियों तथा खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी सैनिक सिंह, आरती गुप्ता, राकेश सकारिया, रामनरेश, विशाल, रेनू तथा नेहा शमशुन का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पर्यावण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक सम्पन्न

सोन नदी के किनारे बने घाटों पर साफ–सफाई की व्यवस्था बेहतर तरीके से की जाये सुनिश्चित :जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक की गयी, बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पर्यावरण के समस्या के निराकरण हेतु सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट का संचालन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों व अन्य स्थलों पर बेहतर तरीके से किया जाये। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय ने अधिशासी अभियन्ता नगर पंचायत से मैकेनिकल रोड़ स्वीपिंग मशीन की उपलब्धता के विषय में जानकारी ली तो उनके द्वारा बताया गया की मशीन की क्रय हेतु कार्यवाही की जा रही है जिस पर जिलाधिकारी महोदय ने शीघ्र मशीन क्रय करने हेतु अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया इस दौरान अधिशासी अधिकारी द्वारा बताया गया की नगर पंचायत ओबरा को छोड़कर शेष सभी नगर पालिका एंव नगर पंचायतों में एम0आर0एफ0 केन्द्र का संचालन किया जा रहा है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा 5 प्रदूषित भू–गर्भीय जल स्थलों के सम्बन्ध में जानकारी ली तो पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा बताया गया की एक स्थल की प्ररीक्षण रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है शेष चार स्थलों की जॉच रिपोर्ट प्रयोगशाला से अभी तक प्राप्त नहीं हुई है जिस पर जिलाधिकारी महोदय ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि रिपोर्ट प्राप्त कर शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। दौरान जिला गंगा समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका एवं नगरं पंचायत को निर्देशित करते हुए कहा कि सोन नदी के घाटों की साफ–सफाई बेहतर तरीके से करायी जाये और नदी के किनारे वन विभाग, मनरेगा विभाग आपस में समन्वय स्थापित बेहद रूप में वृक्षा रोपण का कार्य करायें। इस दौरान उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सोन नदी के किनारे बसे गांवों में लोगों में जागरूकता फैलाने हेतु वाल राईटिंग के माध्यम स्लोगन लिखा जाये, जिससे लोगों में नदी के साफ–सफाई व स्वच्छता के प्रति जागरूक हो सके। उन्होंने कहा कि अधिशासी अधिकारी यह सुनिश्चित करायें कि नालों के माध्यम से नदियों में जाने वाला पानी को फिल्टर करने के लिए कार्ययोजना तैयार किया जाये, जिससे कि नदियों में नालों का पानी शुद्ध होकर जाये और नदियों की स्वच्छता बनी रहें। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिला गंगा समिति का मुख्य उद्देश्य है कि नदी के किनारे बसे गांवों के लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करायें जाये और उसके आस–पास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौध रोपण किया जाये। जिला पर्यावरण समिति एवं जिला गंगा समिति की बैठक में अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग अधिकारी नोडल, अधिकशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग अधिकारी नोडल, अधिशासी अभियन्ता यू0पी0 पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी व जिला कृषि अधिकारी, समस्त सीटी गैस नेटवर्क के प्रतिनिधि, समस्त ऑयल एंव गैस के प्रतिनिधियों को अनुस्थित रहने कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दियें। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 आर0जी0 यादव, प्रभागीय वनाधिकारी सोनभद्र, जिला पंचायत राज अधिकारी विशाल सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

ओवर लोडिंग व अबैध परिवहन रोकने के लिये चला अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन रोकने हेतु चला अभियान अवैध परिवहन और ओवर लोडिंग करने वाले 43 गाड़ियों का चालान कर,7 वाहनों को सम्बन्धित थानों को अभिरक्षा हेतु किया गया सुपूर्द शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में सहदेव मिश्रा अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) के नेतृत्व में 28 से 30 मार्च तक अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु अभियान चलाया गया। इस दौरान परिवहन व वाणिज्य कर विभाग के साथ संयुक्त अभियान लोढ़ी बैरियर से होकर आने वाले उपखनिज के अवैध परिवहन के सम्बंध मे सघन जाँच किया गया, जिसमे कुल 43 वाहनों को ओवरलोड होने के कारण एम0चेक ऐप के द्वारा ऑनलाइन चालान की कार्यवाही किया गया, जिसमें 07 वाहनों को लोढ़ी बैरियर के अभिरक्षा में दिया गया 36 वाहन स्वामियों के द्वारा नोटिस की धनराशि को ऑनलाइन मौके पर जमा किया गया।

सिचाई बंधूओं की बैठक 11 अप्रैल को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। अधिशासी अभियंता एवं सचिव सिंचाई बंधु ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद सोनभद्र की सिंचाई बंधु की बैठक प्रत्येक माह के द्वितीय मंगलवार को आयोजित की जाती है। माह अप्रैल 2023 की सिंचाई बंधु की बैठक 11 अप्रैल 2023 को चौधरी चरण सिंह निरीक्षण गृह बड़ौली राबर्ट्सगंज में समय पूर्वाहन 11.00 बजे से 2.00 बजे तक लाल बहादुर पांडे उपाध्यक्ष सिंचाई बंधु जनपद सोनभद्र की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। कृषको की समस्याओं के गुणवत्तापरक ढंग से निस्तारण हेतु जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारीगण की उपस्थिति प्रार्थनीय है, समस्त अधिकारीगण 14 मार्च को आयोजित बैठक में प्राप्त हुई समस्याओं का निस्तारण आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

पाक्सो एक्ट: दोषी नरेश गौड़ को 7 वर्ष की कैद

साढ़े 9 वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म का मामला

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। साढ़े 9 वर्ष पूर्व 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किए जाने के मामले में अपर सत्र न्यायाधीशधविशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र निहारिका चौहान की अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी नरेश गौड़ को 7 वर्ष की कैद एवं 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अर्थदंड की समूची धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक बभनी थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने थाने में एक सितंबर 2013 को दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी अपने ननिहाल में रहकर पढ़ती थी। 23 अगस्त 2013 की रात्रि 10 बजे उसकी बेटी शौच के लिए निकली थी तभी बाहर छुपा बैठा हुआ बभनी थाना क्षेत्र के राजा सरई गांव निवासी नरेश गौड़ पुत्र जीत सिंह गौड़ ने बेटी को पकड़ लिया और उसे खेत में ले जाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। बेटी को बेहोशी हालत में वहीं छोड़कर भाग गया। बाद में करीब 12 बजे रात्रि में बेटी को बेहोशी हालत में एक महिला ने खेत में से लाकर घर पहुंचाया। बेटी को तत्काल म्योरपुर अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराया गया। दो दिन तक बेटी बेहोश थी। जब होश आया तो बेटी ने वाकए की जानकारी दी। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। विवेचना के दौरान विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी नरेश गौड़ को 7 वर्ष की कैद एवं 50 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की समूची धनराशि पीड़िता को मिलेगी। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश कुमार अग्रहरी, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नसीब नहीं हो पा रहा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला,बलरामपुर। ग्राम हुसेनाबाद के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए शासन ने पांच करोड़ की लागत से बन रहा पेयजल परियोजना का शुभारंभ किया लेकिन अधूरा धन मिलने से कार्यदाई संस्था चार वर्ष से बजट का इंतजार कर रही है। परियोजना पूरी न होने से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल नसीब नहीं हो पा रहा है। शासन ने ग्राम हुसेनाबाद के ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 4–99 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। धन आवंटन होने पर कार्यदाई संस्था को पहली किश्त 2–51 मिलने पर कार्यदाई संस्था ने निर्माण कार्य शुरू कराया। संस्था ने इसके लिए पानी की टंकी व कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण कराया लेकिन शेष धन का आवंटन शासन से न मिलने से कार्यदाई संस्था ने निर्माण अधूरा छोड़ दिया। संस्था ने आवासीय भवन में दरवाजा खिड़की, फर्श व रगाई पोताई नहीं कराई। पानी की टंकी का कनेक्शन पम्प से नहीं जोड़ा गया। भवन परिसर में बिजली का टांसफार्मर रखा है लेकिन बिजली कनेक्शन नहीं हुआ है। इस गांव के 42 मजरो में पानी की पाइप लाइन नहीं बिछाने से ग्रामीणों के घरों में पानी का कनेक्शन नहीं हुआ है। चार वर्ष बीतने के बाद अवशेष धन को शासन ने आवंटित नहीं किया है। अधिशासी अभियंता मुकीम अहमद ने बताया कि इस योजना में लगभग अस्सी प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। अवशेष धन की मांग शासन से की गई है। शासन से धन मिलने पर सभी निर्माण कार्य पूरा करा लिया जावेगा।

खर्राटे की समस्या को दूर करने के लिए करें ये योगासन, जानें अभ्यास का तरीका

किसी भी व्यक्ति को सोते वक्त खर्राटे तब आते हैं जब उसकी नाक और गले के माध्यम से हवा का मार्ग सिकुड़ जाता है। इससे ब्रीथिंग साइकिल बाधित हो जाती है। हालांकि, इससे खर्राटे वाले व्यक्ति के अलग–बगल सोने वालों की भी नींद खराब हो जाती है। इसे नियंत्रित करने के लिए कई उपकरण हैं, लेकिन अपनी जीवनशैली में कुछ योगासन को शामिल करने से इससे जल्द राहत मिल सकता है। आइए आज इसी से जुड़े 5 योगासन जानते हैं।

भुजंगासन

भुजंगासन के लिए योगा मैट पर दोनों हाथों को कंधों के बगल में रखकर पेट के बल लेट जाएं। अब हाथों से दबाव देते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को उठाएं और दोनों पैरों को सीधा रखते हुए स्ट्रेच करें। इसके बाद 30 सेकंड इसी मुद्रा में बने रहें और फिर धीरे–धीरे सामान्य हो जाएं। यह मुद्रा छाती को फैलाने में मदद करती है, जिससे सांस लेने में आसानी होती है।

धनुरासन

धनुरासन के लिए सबसे पहले योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। अब अपने दोनों घुटनों को अपनी पीठ की तरफ मोड़ें और हाथों से टखनों को पकडने की कोशिश करें। इसके बाद सांस लेते हुए अपने पूरे शरीर को इस प्रकार ऊपर उठाने की कोशिश करें कि शरीर का आकार धनुष के समान लगे। यह मुद्रा गहरी सांस लेने और छोडने के साथ आपकी सांस को नियंत्रित करने में मदद करती है।

भ्रामरी प्राणायाम

सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों को कोहनियों से मोड़कर अपने कानों के पास लाएं और अंगूठों से अपने दोनों कानो को बंद करें। इसके बाद अन्य उंगलियों को आंखों के ऊपर रखकर उन्हें बंद कर लें। अब नाक से सांस लेते हुए हम्म का उच्चारण करें। कुछ मिनट बाद धीरे–धीरे आंखों को खोलें और प्राणायाम को छोड़कर सामान्य हो जाएं।

कपालभाति प्राणायाम

सबसे पहले योगा मैट पर पद्मासन की स्थिति में बैठ जाएं और अपने दोनों हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा में रख लें। अब अपनी दोनों आंखों को बंद करें और अपने पूरे शरीर को ढीला छोड़कर नाक से गहरी सांस लें। इसके बाद पेट की मांसपेशियों को सिकोड़ते हुए सांस छोड़ें और सांस छोड़ते समय ज्यादा दबाव न डालें। इस योग से आपको बेहतर और गहरी नींद आने में मदद मिलेगी।

सिंहासन (लायन पोज): सिंहासन के लिए सबसे पहले वज्रासन की मुद्रा में बैठें और फिर घुटनों को खोलते हुए शेर की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों को घुटनों के ऊपर रखें। इसके बाद चेहरे की मांसपेशियों पर दबाव डालते हुए जीभ को नीचे की ओर से बाहर निकालें और मुंह खोलकर शेर की तरह दहाड़ लगाएं। यह योग आसन आपके गले की मांसपेशियों को आराम देता है और छाती में तनाव को दूर करता है।

मल्टीकट स्टाइलिश आउटफिट में नुसरत भरूचा दिखीं गजब की बला, तस्वीरों पर फैंस ने लुटाया प्यार

बॉलीवुड अदाकारा नुसरत भरूचा फिल्मों के साथ ही सोशल मीडिया पर अपने हुस्न का जलवा बिखेरती रहती हैं। उनकी

स्टनिंग तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब किए रहती हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा ने बेहद ही स्टाइलिश तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, उनकी कातिलाना तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। नुसरत भरूचा ने मल्टीकट आउटफिट में शिमरी शॉर्ट आउटफिट पहन रखी है, जो फैंस के दिलों को बेताब कर रही है। नुसरत भरूचा अपनी फिल्मों के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी एक झलक के दीवाने रहते हैं। नुसरत भरूचा बेहद ही बोल्ड और कातिलाना नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा की तस्वीरें देखकर फैंस आहें भरने को मजबूर हैं, उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस अपने फैंस के लिए अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। अदाकारा के इस दिलकश अंदाज को देखकर फैंस बेकाबू हो रहे हैं। एक्ट्रेस नुसरत भरूचा की तस्वीरों पर फैंस लाइक्स और कमेंट्स की बौछार कर रहे हैं। साथ ही उनकी तस्वीरों शेयर भी कर रहे हैं।

पोन्नियिन सेल्वन 2 का ट्रेलर रिलीज, सिहांसन के लिए फिर छिड़ी जंग, छा गईं ऐश्वर्या

ऐतिहासिक फिल्म पोन्नियिन सेल्वन सुपरहिट थी। तभी से दर्शकों को इसके दूसरे भाग का इंतजार था, जो अब जल्द ही खत्म होने जा रहा है। फिल्म के लिए हिंदीभाषी दर्शक भी बराबर उत्साहित हैं, क्योंकि एक तो यह पैन इंडिया फिल्म है और दूसरी वजह इसमें ऐश्वर्या राय बच्चन हैं, जो फिल्म में अहम भूमिका निभा रही हैं। अब पोन्नियिन सेल्वन 2 का ट्रेलर दर्शकों के बीच आ गया है, जिसकी जानकारी ऐश्वर्या ने भी सोशल मीडिया पर दी है। ट्रेलर में चोल साम्राज्य की कहानी को आगे बढ़ाते हुए दिखाया गया है, वहीं सिंहासन के लिए फिर छिड़ा महायुद्ध रोंगटे खड़े करने वाला है। ऐश्वर्या बला की खूबसूरत और ध ाकड़ अवतार में दिख रही हैं। मंदाकिनी और नंदिनी उनके दोनों किरदार प्रभावी हैं। ऐश्वर्या की सुंदरता और कुटिरता दोनों आकर्षित करती है। सुपरस्टार विक्रम और अदिथा करिकलां भी धांसू अवतार में दिख रहे हैं। ट्रेलर में वो सबकुछ है, जो एक पीरियड ड्रामा फिल्म में होना चाहिए। 28 अप्रैल को रिलीज होने वाली है फिल्मः फिल्म के पहले भाग को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। फिल्म में ऐश्वर्या ने डबल रोल निभाया था। हालांकि, इसकी जानकारी फिल्म के क्लाइमैक्स में मिली थी। पोन्नियिन सेल्वन प्रसिद्ध लेखक कल्की कृ ष्णमूर्ति के इसी नाम से आए मशहूर उपन्यास पर आधारित है। दूसरे भाग में भी ऐश्वर्या के अलावा चियान विक्रम, कार्थी, जयम रवि और त्रिशा कृष्णन जैसे कई सितारे अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 28 अप्रैल, 2023 को रिलीज हो रही है। पोन्नियन सेल्वन तमिल भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ है कावेरी नदी का बेटा। लगभग 2,000 पन्नों का यह बेहद लोकप्रिय उपन्यास है, जिसके कई संस्करण हैं और अंग्रेजी में अनुवाद प्रकाशित किए जा चुके हैं। यह वास्तविक ऐतिहासिक घटनाओं और पात्रों से प्रेरित है। पोन्नियिन सेल्वन निर्देशक मणिरत्नम का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। वह इस पर बीते 28 सालों से काम कर रहे थे। मणिरत्नम ने इंटरव्यू में कहा था कि 1994 में उन्होंने इस ऐतिहासिक कहानी को पर्दे पर लाने का मन बनाया था, लेकिन उस वक्त 100 करोड़ रुपये के बजट में फिल्म बनाना बड़ी बात थी। 2010 में जब उन्होंने इसे बनाने की सोची तो लोकेशन के कारण यह अटक गई। फिर आखिरकार 2019 में मणिरत्नम ने इसे बनाना शुरू किया। पोन्नियन सेल्वन 30 सितंबर, 2022 को सिनेमाघरों में आई थी और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड बनाए थे। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी। यह 2022 में सबसे अधिक कमाई करने वाली तमिल फिल्मी बनी थी। इसने 16वें एशियाई फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित 6 नामांकन हासिल किए थे। ऐश्वर्या, कार्थी, विक्रम, जयराम रवि और प्रकाश राज ने इसमें अहम भूमिका निभाई थी।

बायोपिक संत तुकाराम में फीमेल लीड रोल करेंगी शीना चौहान

द फेम गेम की अभिनेत्री शीना चौहान को संत तुकाराम

बायोपिक में महिला प्रधान भूमिका निभाने के लिए अनुबंधित किया गया है। उन्होंने मराठी संत तुकाराम की पत्नी अवलई जीजाबाई के चरित्र को समझने के दौरान आने वाली चुनौतियों को साझा किया। उन्होंने कहारू चरित्र के लिए अपने निर्देशक और सह–कलाकारों के साथ गहराई से शोध करने और सहयोग करने से ज्यादा मुझे कुछ भी पसंद नहीं है .. इसलिए यह फिल्म सबसे अच्छे अनुभवों में से एक है। आदित्य ओम सर ने हर विवरण को सुनिश्चित करने के लिए इतनी मेहनत कीं। उन्होंने वास्तव में मुझे अपनी सीमा के पार जाने में पूरी तरह से मदद की। अवलाई जीजाबाई कौन थीं, वह कहां से आई थीं, उनकी प्रेरणाएं क्या थीं और वह क्या था जिसने संत तुकाराम के साथ उनके रिश्ते को इतना खास बना दिया। एक ऐतिहासिक भूमिका की तैयारी की चुनौतियों के बारे में बात करते हुए, शीना ने कहारू यह कई मायनों में बहुत कठिन है, क्योंकि लोग जीजाबाई के बारे में जीवन भर सुनते हुए बड़े हुए हैं, उनकी कहानी महाराष्ट्र के स्कूलों में पढ़ाई जाती है, इसलिए लोगों के पास पहले से ही एक छवि है उसके दिमाग में। इसमें बहुत सारे शोध शामिल थे और बोली सीखना भी एक काम था। मराठी अभिनेता सुबोध भावे आदित्य ओम द्वारा निर्देशित बायोपिक में संत तुकाराम की भूमिका निभा रहे हैं।

हाथों से टैनिंग हटाने के लिए अपनाएं ये 5 असरदार घरेलू नुस्खे

अत्यधिक धूप के संपर्क में आने पर त्वचा पर टैन हो सकता है। धूप के संपर्क में आने पर त्वचा मेलेनिन का अधिक उत्पादन करती है, जिससे टैन यानी त्वचा का रंग फीका होने लगता है और इससे छुटकारा पाना काफी मुश्किल हो जाता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जो हाथों से टैनिंग दूर करने में प्रभावी साबित हो सकते हैं।

योगर्ट का करें इस्तेमालः योगर्ट में एल–सिस्टीन पेप्टाइड होता है, जो टायरोसिनेस गतिविधि ा को दबाने के लिए जाना जाता है। यह हाथों से टैन को कम कर सकता है। लाभ के लिए 2–3 बड़ी चम्मच योगर्ट में 1 बड़ी चम्मच नींबू का रस मिलाएं। अब इस मिश्रण को हाथों पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें, फिर हाथों को सादे पानी से धो लें। इस मिश्रण को आप हफ्ते में 1 से 2 बार अपने हाथों पर लगा सकते हैं।

टमाटर करेगा मददः टमाटर बायोएक्टिव यौगिकों से भरपूर होते हैं, जिन्हें कैरोटेनॉयड्स कहा जाता है। ये फोटो प्रोटेक्टेंट के रूप में कार्य करके सूरज की हानिकारक पैराबैंगनी किरणों के कारण होने वाले टैन को कम करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए टमाटर को ब्लेंड करके गाढ़ा पेस्ट बना लें। इसके बाद पेस्ट को हाथों पर लगाएं और 15 मिनट के बाद हाथों को पानी से ध ो लें। हफ्ते में 2 बार इसे दोहराने से जल्द फायदा मिलेगा।

नींबू भी है प्रभावीः विटामिन–ष्ट या एस्कॉर्बिक एसिड से भरपूर नींबू का रस एंटी–पिगमेंटरी गुणों के लिए भी जाना जाता है, जो त्वचा से टैन के प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए एक नींबू का रस निकाल लें और थोड़े–से पानी के साथ मिलाएं। अब इसमें एक कॉटन बॉल भिगोकर इसे हाथों पर लगाएं। 15–20 मिनट के बाद हाथों को पानी से धो लें। इसे हफ्ते में दो बार दोहराएं।

एलोवेरा दिला सकता है राहतः एलोवेरा में बायोएक्टिव कंपाउंड होते हैं, जो त्वचा के टैन को कम करने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एलोवेरा की पत्ती से जेल निकाल लें और इसे शहद के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को हाथों पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद हाथों को सादे पानी से धो लें। अच्छे परिणाम के लिए इस मिश्रण को हफ्ते में 2 से 3 बार अपने हाथों पर लगाएं।

खीरा भी है लाभदायकः खीरे में न केवल मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं, बल्कि इसमें बायोएक्टिव यौगिक (जैसे ट्रांस, सिस–2, 6–नॉनएडिएनल) भी होते हैं। ये टैनिंग को दूर करने में सहायक हो सकते हैं। लाभ के लिए आधे खीरे को काटकर ब्लेंड करें और फिर इसे 1 बड़ी चम्मच एलोवेरा जेल के साथ मिलाएं। अब इस मिश्रण को हाथों पर लगाएं और 5 मिनट के बाद हाथों को धो लें। इसे हफ्ते में 1 बार तब तक लगाएं जब तक टैन गायब न हो जाए।